हरिभूमि
हिसार भूमि
रोहतक, रविवार, 14 सितंबर, 2025

तापमान
अधिकतम 34 .0 डिग्री
न्यूनतम 25 .0 डिग्री

12 विधायक ने आदमपुर में लगाया जनता दरबार

12 वार्ड 14 को जीरो वेस्ट बनाने की दिशा में निगम ने बढ़ाया पहला कदम

खबर संक्षेप

6 दुकानदारों के डस्टबिन न रखने पर काटे चालान

हिसार। हरियाणा शहर स्वच्छता अभियान के तहत शनिवार को नगर निगम की स्वच्छता शाखा की टीम ने नागौरी गेट के नजदीक अभियान चलाकर साफ-सफाई, डस्टबिन और कचरा प्रबंधन की स्थिति का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान टीम ने पाया कि क्षेत्र में रेहड़ी संचालकों और दुकानदारों द्वारा डस्टबिन का उपयोग नहीं किया जा रहा था। स्वच्छता नियमों का उल्लंघन करने पर निगम ने कुल 6 व्यक्तियों के खिलाफ 600 रुपये का जुर्माना वसूला।

चेक बाउंस मामले में उद्घघोषित आरोपी काबू

हांसी। विशेष अभियान के तहत पीओ स्टाफ हांसी पुलिस ने चेक बाउंस मामले में उद्घघोषित आरोपी घिराय निवासी सुखदेव को गिरफ्तार किया है। पीओ स्टाफ इंचार्ज आशा राम ने बताया कि आरोपी को अदालत द्वारा चेक बाउंस मामले में उद्घघोषित आरोपी करार दिया हुआ था। पीओ स्टाफ हांसी पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया गया है।

ब्लैक फिल्म लगी कार का किया 10 हजार का चालान

हांसी। ट्रैफिक पुलिस द्वारा यातायात नियमों के उल्लंघन करने वालों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के दौरान एक ब्लैक फिल्म लगी कार का 10 हजार रुपये का चालान किया है। ट्रैफिक पुलिस इंचार्ज इंस्पेक्टर सुनील कुमार ने बताया कि टोल प्लाजा के समीप वाहनों के कागजात के चेकिंग के दौरान एक कार को रोका तो उसकी खिड़कियों पर ब्लैक फिल्म लगी हुई थी।

पंजाबी धर्मशाला, राजगुरु मार्किट में ध्यान शिविर शुरु

हिसार। ध्यान सत्संग सभा के तत्वाधान में पंजाबी धर्मशाला, राजगुरु मार्किट में आज प्रातः तीन दिवसीय ध्यान शिविर शुरु किया गया। संस्था के प्रधान सत्यनारायण शर्मा एडवोकेट ने बताया कि शिविर की शुरुआत में रवि प्रकाश कौशिक ने साधकों को ध्यान करवाया। उन्होंने ध्यान करने की विधि के बारे में विस्तार से बताया। दोपहर को आयोजित सत्र को संबोधित करते हुए लुवास में कार्यरत डॉ. विशाल शर्मा ने साधकों को साधना के विभिन्न तरीकों बारे विस्तार से बताया। इस अवसर पर राकेश गर्ग, गंगाधर बंसल, सहित सैंकड़ों साधकों ने शिविर का लाभ उठाया।

सात दिवसीय श्री ब्रह्मोत्सव आठ अक्टूबर से शुरू

हिसार। श्री तिरुपति बालाजी धाम में 8 अक्टूबर से सात दिवसीय श्री ब्रह्मोत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा। 14 अक्टूबर तक चलने वाले इस ब्रह्मोत्सव में श्रद्धालुओं को हर रोज सुबह व सायं दिव्य वाहनों पर निकलने वाली झांकियों के दर्शन होंगे। इसके साथ ही विशाल व नक्काशीयुक्त दिव्य रथ के दर्शन का भी अवसर मिलेगा। इस ब्रह्मोत्सव में हरियाणा के साथ-साथ अन्य राज्यों से भी काफी संख्या में श्रद्धालु हिस्सा लेंगे।

सरेआम सट्टा खाईवाल करते आरोपी गिरफ्तार

हांसी। सीआईए स्टाफ हांसी पुलिस ने सरेआम सट्टा खाईवाल करते हुए एक व्यक्ति को 2270 रुपए के साथ गिरफ्तार किया है।आरोपी की पहचान चार कुतुब गेट निवासी राजेंद्र के रूप में हुई है। यह जानकारी देते हुए सीआईए स्टाफ पुलिस में तैनात एएसआई अनिल कुमार ने बताया कि गश्त पड़ताल के दौरान सूचना मिली थी कि समाधा रोड़ पर एक व्यक्ति सरेआम सट्टा खाईवाल कर रहा है। इस सूचना के आधार पर सीआईए की टीम ने मौका पर पहुंच चार कुतुब गेट निवासी राजेंद्र को 2270 रुपये सहित गिरफ्तार कर लिया।

हिसार क्षेत्र के कई मार्गों पर जलभराव, लोग हो रहे बेहाल

जिले में कई स्थानों पर सड़कें जलमग्न आवागमन प्रभावित, रोज हो रहे हादसे

हिसार। ड्रेन से निकाली गई गाड़ी व हिसार-तोशाम रोड पर सड़क धंसने पर पलटी ट्राली। फोटो: हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

चालू सीजन में मानसून की सामान्य से अधिक बारिश और ड्रेनों के ओवरफ्लो होने से जिले के कई गांवों में अभी भी बाढ़ जैसे हालात बन हुए है। गांवों को जोड़ने वाले लिंक रोड जलभराव में डूब हुए। इसके चलते लोगों को आवागमन में भारी परेशानी उठानी पड़ रही है। कई स्थानों पर रूट डायवर्ट करना पड़ रहा है। हिसार-घग्गर ड्रेन के टूटने के कारण इसका पानी रात को गुंजार तथा भोजराज के बीच सड़क पर खड़ा हो गया। देर रात को बीएंडआर के अधिकारियों ने लाडवा व कंवारी गांव के पास बेरिकेडिंग करके रूट डायवर्ट कर दिया। वाहन चालक डाबड़ा से वाया लाडवा होते हुए कंवारी की तरफ आवागमन कर रहे हैं। उधर, तोशाम रोड पर पानी खड़ा रहने से सड़क धंस गई और सड़क के साथ मिट्टी दलदली होने के कारण क्रेशर से भरी एक ट्राली पलट गई। उधर, गांव पीरांवाली के पास बगला रोड पर भी जलभराव की स्थिति है। बरवाला को हांसी से जोड़ने वाली सड़क गांव चैनत के पास पिछले एक पखवाड़े से डूबी हुई है। आर्यनगर गांव में भी हिसार-भादरा मार्ग को जलभराव के चलते एक तरफ से बंद कर दिया गया है, जबकि सड़क के दूसरे तरफ से ही वाहनों का आवागमन जारी है। ऐसे में वहां पर पूरे दिन जाम की स्थिति बनी रहती है।

प्रशासन ने बेरिकेडिंग करके करवाया रूट डायवर्ट, लोग परेशान

मंगाली कुटिया के पास ड्रेन में गिरी गाड़ी

तोशाम रोड़ पर मंगाली कुटिया के पास शुक्रवार की देर रात ड्रेन में एक ऑल्टो कार गिर गई। बताया जाता है कि गाड़ी में एक ही व्यक्ति सवार था, जो छलांग लगाने से बच गया। हादसा नील गाय आने की वजह से बताया जा रहा है। मानसून सीजन में ड्रेन के ओवरफ्लो होने के कारण गाड़ी निकालने में कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। गाड़ी निकालने के लिए शनिवार की सुबह मौके पर हाइड्रा मशीन को लगाया गया। जीव रक्षा दल मंगाली के सदस्यों ने भी गाड़ी को निकालने में विशेष सहयोग दिया।

मूंग, नरमा और बाजरे की फसल बर्बाद

लंबे समय से खेतों में जलभराव के कारण खरीफ सीजन की प्रमुख फसलें मूंग, नरमा तथा बाजरा बर्बाद हो चुका है। जिले के कुछ गांवों में छोड़कर धान की फसल को भी नुकसान पहुंचा है। किसानों का मानना है कि पिछले 15 दिनों से खेतों में पानी खड़ा होने से खरीफ की फसलें तो चौपट हो चुकी है, लेकिन अगर खेतों से पानी की निकासी नहीं हुई तो रबी सीजन की फसलों की बिजाई पर संकट खड़ा हो सकता है।

हिसार। जलभराव के विभिन्न क्षेत्रों का दौरा करते मंडलायुक्त अशोक कुमार गर्ग।

मंडलायुक्त ने किया जलभराव प्रभावित गांवों का दौरा

- अधिकारियों को दिए त्वरित निकासी के दिए निर्देश

हिसार। मंडलायुक्त अशोक कुमार गर्ग ने शनिवार को जिले के गांव खरड़, खोखा, खरकड़ी, घिराय, खानपुर, सिंधड़ व सिंघवा राघो का दौरा कर वहां हुई भारी बारिश और ड्रेन टूटने से उत्पन्न जलभराव की स्थिति का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों से अब तक किए गए प्रबंधों की विस्तार से जानकारी भी ली। मंडलायुक्त ने प्रभावित क्षेत्रों में जलभराव से ग्रामीणों को हो रही समस्याओं को गंभीरता से लिया और अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि पानी की निकासी के लिए हर संभव कदम तुरंत उठाए जाएं। उन्होंने कहा कि यह प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है कि प्रभावित गांवों से पानी की निकासी शीघ्र कर लोगों को राहत उपलब्ध करवाई जाए। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में खड़े पानी से जनजीवन प्रभावित हो रहा है और साथ ही जलजनित बीमारियों का खतरा भी बढ़ रहा है।

आबादी वाले हिस्सों से पानी निकालने के निर्देश

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सबसे पहले प्राथमिकता के आधार पर मुख्य मार्गों और आबादी वाले हिस्सों से पानी निकाला जाए, ताकि लोगों की आवाजाही और जरूरी कार्य बाधित न हों। मंडलायुक्त अशोक कुमार गर्ग ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पानी निकासी के लिए जहां भी जरूरत हो वहां अतिरिक्त मोटर पंप लगाकर पानी की निकासी तेज गति से की जाए। साथ ही, उन्होंने बिजली विभाग और स्वास्थ्य विभाग को भी अलर्ट मोड पर रहने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जलभराव वाले इलाकों में बिजली आपूर्ति का प्रबंधन सतर्कता से किया जाए और स्वास्थ्य विभाग की टीमें गांवों में जाकर लोगों के स्वास्थ्य की जांच करें ताकि बीमारियों को फैलने से रोका जा सके।

तेज रफ्तार कार का कहर

स्कूटी सवार दो दोस्तों को मारी टक्कर, मौत

- सूर्यनगर ओवरब्रिज पर शुक्रवार की रात हुआ दर्दनाक हादसा
- कार की टक्कर लगने से स्कूटी पर पीछे बैठा युवक ओवरब्रिज से नीचे गिरा, स्कूटी चालक को कार ने 500 मीटर तक घसीटता

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

सूर्यनगर ओवरब्रिज पर तेज रफ्तार कार ने दो युवकों की जान ले ली। कार ने स्कूटी को टक्कर मार दी, जिससे दोनों युवकों की मौत हो गई। घटना के बाद कार चालक फरार हो गया। बताया जा रहा है कि तेज रफ्तार कार की टक्कर लगने से स्कूटी पर पीछे बैठा युवक ओवरब्रिज से नीचे गिर गया जबकि स्कूटी चला रहे युवक को कार लगभग 500 मीटर तक घसीटते हुए ले गई जिसके निशान सड़क पर साफ तौर पर दिखाई दिए। मृतकों की पहचान फतेहाबाद जिले के गांव पिरथला निवासी प्रवीण व रोबिन के रूप में हुई है। हादसे के बाद कार चालक मौके से फरार हो गया। कार चालक भी फतेहाबाद जिले के जांडली खुर्द का बताया जा रहा है, जो खेतीबाड़ी करता है। बताया जा रहा है कि शुक्रवार रात लगभग 11.45 बजे एक व्यक्ति सूर्यनगर पुल से कार ले जा रहा था। कार की स्पीड़ ज्यादा बताई जा रही है। इसी दौरान स्कूटी सवार युवक उसके सामने आ गए। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि एक युवक उछलकर पुल से नीचे गिर गया। हादसे की सूचना मिलते ही एचटीएम थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को सिविल अस्पताल पहुंचाया।एचटीएम थाना से जांच अधिकारी एसआई नेहरा सिंह ने बताया कि देर रात यह हादसा हुआ है। सुबह तक मृतकों की पहचान नहीं हो पाई थी। पहचान हो जाने के बाद उनके परिजनों को सूचना दे दी गई है। बताया जा रहा है कि रोबिन और प्रवीण एक ही कमरे में रहते थे। दोनों अविवाहित थे। रोबिन ट्रांसपोर्टर था और प्रवीण हिसार की गुरु जंभेश्वर यूनिवर्सिटी में पढ़ाई करता था।

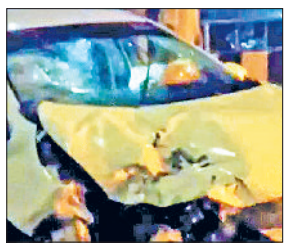

दुर्घटना के बाद मौके पर खड़ी कार।

पुलिस ने दर्ज किया केस

पुलिस ने पिरथला निवासी मृतक रोबिन के भाई विकास के बयान पर कार चालक के खिलाफ लापरवाही से वाहन चलाने व दुर्घटना करने का केस दर्ज किया है। अपनी शिकायत में विकास ने कहा है कि रात लगभग पौने 12 बजे रोबिन व प्रवीण जिंदल अस्पताल में अपने किसी जानकार के पास जाकर आ रहे थे। वे सूर्यनगर पुल पर पहुंचे तो सूर्यनगर से जिंदल चौक की तरफ जा रही तेज रफ्तार कार ने उनकी स्कूटी को टक्कर मार दी, जिससे उसके भाई रोबिन व उसके साथ गए प्रवीण की मौत हो गई।

ट्रांसपोर्ट में काम करता था रोबिन

शिकायतकर्ता विकास के अनुसार वे तीन भाई बहन है। रोबिन सबसे छोटा था। शिकायकर्ता विकास व रोबिन अपनी आटो मार्केट में श्री सालासर दरबार ट्रांसपोर्ट एंड कंट्रेशन कंपनी में काम करते थे।

लोगों को एकजुट करने की मुहिम शुरू की जाएगी

36 बिरादरी की लोगों के साथ मिलकर बनाएंगे बाहरा खाप समन्वय समिति

- बुढ़ाना महापंचायत में बड़ा फैसला, मिलकर लड़ेंगे भाईचारे की लड़ाई

हरिभूमि न्यूज ⏭नारनौंद

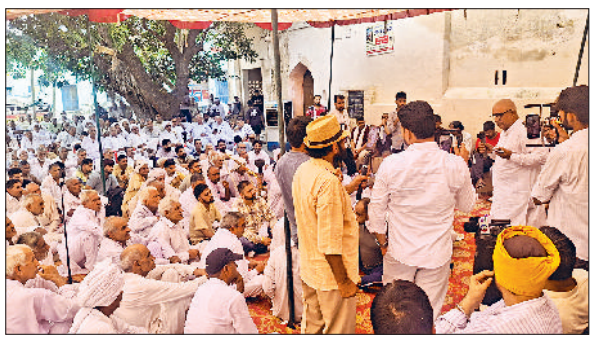

नारनौंद। गांव बुडाना में महापंचायत को संबोधित करते हुए ग्रामीण। फोटो: हरिभूमि

बुडाना डबल मर्डर को लेकर गांव बुडाना में एक महापंचायत का आयोजन किया गया। इसकी अध्यक्षता धनौरी गांव के सरपंच कपिल ने की। बुढ़ाना मामले में कमेटी का सहयोग करने वाले पुलिस प्रशासन और नेताओं का भी आभार जताया गया।

साथ ही फैसला लिया गया कि भविष्य में 36 बिरादरी के लोगों को एकजुट करने की मुहिम शुरू की जाएगी और इसके लिए एक नवंबर को खेड़ी चोपटा में बाहरा खाप समन्वय समिति का गठन किया जाएगा। यह भी ऐलान किया गया कि किसी के साथ भी अन्याय होता है तो बाहरा खाप कमेटी उनकी लड़ाई लड़ने के लिए तैयार है। युवा नेता संदीप भारती और रिटायर डिप्टी डायरेक्टर जयबीर ढांडा ने कहा कि लोगों के सहयोग बुडाना डबल मर्डर कांड सुलझ गया है। इस मामले के सभी आरोपित आज सलाखों के पीछे है।

कुछ लोगों ने इस मामले को उलझाने में टांग खींचने की कोशिश की थी। लेकिन जनता के सहयोग से पीड़ित परिवार को न्याय मिला। इस महापंचायत में उन सभी प्रशासन के अधिकारी और राजनेताओं का विशेष धन्यवाद जिन्होंने सच्चाई का साथ देकर पूरे गांव को न्याय दिलाने का काम किया है। इस अवसर पर मास्टर चंद्रप्रकाश, मनदीप मोनी, गुरमीत, अमित सिवाच, अशोक प्रजापत, प्रदीप ढांडा, मास्टर रामफल, जगदीश, ओमप्रकाश लांबा, प्रकाश फौजी आदि पर मौजूद थे।

न्याय के खिलाफ लड़ने पर उठतें हैं सवाल

प्रमुख समाजसेवी मास्टर चंद्र प्रकाश ने कहा कि मिर्चपुर कांड में काफी लोगों ने हमको बदनाम करने की कोशिश की लेकिन परिणाम सबके सामने हैं। जो लोग न्याय के लिए लड़ते हैं उनके खिलाफ उंगलियां हमेशा उठती रही है।

छाजूराम शिक्षण महाविद्यालय में ओरल हेल्थ चेकअप

हिसार। लघु सचिवालय कॉलोनी में स्थित रेजिडेंशियल डिस्पेंसरी में कार्यरत दंत चिकित्सक डॉ. कोपल और उनकी टीम ने छाजूराम शिक्षण महाविद्यालय में

- पारंपरिक विधियां: प्राचार्या प्रो. उर्मिला मलिक ने पारंपरिक ओरल हेल्थ उपायों पर प्रकाश डाला।

ओरल हेल्थ चेक-अप कैंप का आयोजन किया, जिसमें संदीप, विनोद और अजय ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यह कार्यक्रम स्वास्थ्य विभाग द्वारा 1 से 15 सितंबर तक चलाए जा रहे ओरल हेल्थ पखवाड़े के तहत 13 सितंबर को आयोजित किया गया। इस अवसर पर चेकअप के आधार पर विद्यार्थियों को दवाईयां भी वितरित की गई। प्राचार्या प्रोफेसर उर्मिला मलिक ने ओरल हेल्थ से संबंधित पारंपरिक विधियों के बारे में प्रकाश डाला। इस अवसर पर डॉ. पूर्णिमा, डॉ. अजीत, डॉ. पूनम व डॉ. मोनिका उपस्थित रहे।

किसानों ने सरकार के समक्ष रखी 5 मांगें

- दलहन-तिलहन का दाम दो, कर्ज माफ करो, मांगे नहीं मानी तो होगा आंदोलन

हरिभूमि न्यूज ⏭हांसी

हांसी। रामायण टोल प्लाजा पर आयोजित मीटिंग में भाग लेते किसान।

रामायण टोल प्लाजा पर शनिवार को सिधपुर निवासी सुभाष कटारिया की अध्यक्षता में सर्वदलीय कमेटी की मीटिंग हुई। मीटिंग में किसानों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और कमेटी पदाधिकारियों ने भाग लिया। मीटिंग में किसानों ने सरकार से खेतों में खड़े बरसाती पानी की निकासी मांग की। बैठक में किसानों ने सर्वसम्मति से 5 प्रमुख मांगें सरकार के समक्ष रखीं। किसानों ने कहा कि दलहन-तिलहन की उचित खरीद न होने से उनकी बुवाई प्रभावित हो रही है। इन फसलों पर न्यूनतम समर्थन मूल्य के साथ 50 हजार रुपये बोनस दिया जाए, ताकि किसान इनके उत्पादन के लिए प्रेरित हों।

आंदोलन तेज करने की दी चेतावनी

सिानों ने मीटिंग में कहा कि फसलों की कम कीमत और बढ़ते खर्च से खेती घाटे का सौदा बनकर रह गई है और किसानों पर कर्ज का बोझ लगातार बढ़ रहा है। सरकारी नीतियां राहत देने की बजाय उन्हें और कर्ज में धकेल रही हैं। यदि उनकी मांगों पर ध्यान नहीं दिया गया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

किसानों ने रखी मांगें

कर्ज माफी और नीलामी रोकने पर जोर

किसानों ने मकान गिरवी रखकर लिए गए कर्ज पर राहत देने और नीलामी रोकने की मांग उठाई। साथ ही, किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) के तहत लिए गए सभी कृषि ऋणों को पूरी तरह माफ करने की बात कही।

स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशें लागू करने की मांग

मीटिंग में किसानों ने जोर दिया कि यदि स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशें लागू होती हैं तो उन्हें लागत का डेढ़ गुना दाम मिलेगा। यह कदम खेती को घाटे से बाहर निकालने के लिए जरूरी है।

14 अप्रैल को राष्ट्रीय अवकाश की मांग

बैठक में बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती 14 अप्रैल को राष्ट्रीय अवकाश घोषित किए जाने की मांग की गई। किसानों का कहना था कि इससे समाज में समरसता और जागरूकता बढ़ेगी।

पिता पर 15 लाख का कर्ज, रोने लगीं तो बिग बॉस ने चुप कराया

बारिश में फसलें खराब होने से आय घट गई और कर्ज बढ़ता गया

केबीसी में काजलां गांव की स्नेहा बिश्नोई ने जीते साढ़े 12 लाख रुपये

- भावुक पल: फास्टेस्ट फिंगर फर्स्ट जीतते ही स्नेहा रो पड़ीं, अमिताभ बच्चन ने टिशू पेपर दिए

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

खुशी के आंसू पोंछती स्नेहा बिश्नोई।

जिले के गांव काजलां निवासी स्नेहा बिश्नोई ने कौन बनेगा करोड़पति (केबीसी) में साढ़े 12 लाख रुपए जीते हैं। स्नेहा ने अमिताभ बच्चन को बताया कि उनके परिवार पर 15 लाख रुपए का कर्ज है और वह हमेशा सोचती थीं कि इसे कैसे चुकाया जाए। शो में जब स्नेहा ने फास्टेस्ट फिंगर फर्स्ट राउंड जीता तो वह भावुक होकर रो पड़ीं। इस पर अमिताभ बच्चन ने उन्हें टिशू पेपर दिए। यूथ वीक के आखिरी दिन वे इस खास कैटेगरी में चुनी गईं और 10 कंटेस्टेंट्स के बीच खेलने पहुंचीं। स्नेहा ने बताया कि बारिश में उनकी फसलें खराब हो गईं, जिसकी वजह से पिता पर कर्ज बढ़ता गया। रोजमर्रा के खर्च पूरे करना भी मुश्किल हो गया। कार्यक्रम में उनके घर और परिवार की हालत भी दिखाई गई। धीरे-धीरे कर्ज बढ़कर 15 लाख रुपए तक पहुंच गया था। घर पर जब कोई पैसे मांगने आता था तो गुस्सा भी आता था। अक्सर सोचती थी कि इन परेशानियों से आखिर कैसे निकलूं।

स्नेहा को बिश्नोई समाज ने दी बधाई

स्नेहा ने कहा कि मम्मी-पापा को मैं बस यहीं कहना चाहती हूं कि चाहे थोड़ा वक्त ही क्यों न लग जाए, लेकिन मैं सब ठीक कर दूंगी। स्नेहा के कौन बनेगा करोड़पति में पहुंचने पर बिश्नोई समाज ने उसे बधाई दी है। स्नेहा को बधाई देने को लेकर सोशल मीडिया पर कई पोस्ट भी डाली गई हैं। इसके अलावा स्नेहा की फोटो को पोस्ट कर लिखा है कि बिश्नोई समाज की होनहार बेटी ने समाज का नाम रोशन किया है। इस फोटो को कई प्लेटफार्म पर शेयर किया गया है।

जीती रकम से पिता का कर्ज उतारेगी स्नेहा

काजला गांव की रहने वाली स्नेहा ने कहा कि इस रकम से वह आधे से ज्यादा कर्ज चुका पाएगी। स्नेहा हिसार में फैमिली कोर्ट में क्लर्क के पद पर कार्यरत हैं। कुछ माह पहले ही उसकी नौकरी कोर्ट में लगी है। पिता श्रवण कुमार बिश्नोई भी स्नेहा का हौसला बढ़ाने के लिए कौन बनेगा करोड़पति कार्यक्रम में पहुंचे थे। कार्यक्रम के दौरान अभिनेता अमिताभ बच्चन ने नौकरी के बारे में पूछा तो स्नेहा ने बताया कि करीब पांच माह पहले ही उसकी नौकरी लगी है। अमिताभ ने स्नेहा के पिता से कहा कि आपकी बेटी इस मंच पर पहुंची है, इसके लिए आपको बहुत बहुत बधाई।

जेसीआई हांसी फोर्ट ने किया बॉक्सिंग टूर्नामेंट का आयोजन

हांसी। जेसीआई वीक के तहत जेसीआई हांसी फोर्ट द्वारा शनिवार को शहीद बॉक्सिंग अकेडमी में बॉक्सिंग टूर्नामेंट का आयोजन किया। जेसीआई हांसी फोर्ट के प्रधान सर्वेश सैनी ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन युवाओं को खेलों से जोड़ने और उन्हें अनुशासन, आत्मविश्वास व स्वस्थ जीवन की प्रेरणा देने का कार्य करते हैं। उन्होंने बताया कि जेसीआई हमेशा समाज के विभिन्न क्षेत्रों में सकारात्मक पहल करने के लिए अग्रसर रहता है खेलकूद से ही विश्व में भारत का गौरव बढ़ा है और खेलों में हरियाणा के खिलाड़ियों ने भारत में प्रदेश का गौरव बढ़ाया है और भारत से जितने भी विदेश में बच्चे खेलने जा रहे हैं उन बच्चों में से ज्यादा से ज्यादा हरियाणा के बच्चे शामिल हो रहे हैं।

फ्लेक्सी कैप, मिड कैप और लार्ज कैप फंड्स में बढ़ा निवेश

■ इक्विटी फंड्स का नेट इनफ्लो 22% तक घटा ■ एएमएफआई ने अगस्त 2025 के आंकड़े जारी किए ■ अगस्त 2025 इक्विटी म्यूचुअल फंड्स के लिए मिला-जुला महीना रहा

बिजनेस डेस्क

एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) ने अगस्त 2025 के निवेश और रिडेम्पशन के लेटेस्ट आंकड़े जारी कर दिए हैं। ये आंकड़े म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री के ताजा रुझानों की दिलचस्प तस्वीर पेश करते हैं। अगस्त 2025 में निवेशकों ने जहां एक ओर इक्विटी फंड्स में लगातार पैसे डाले हैं, वहीं डेट फंड्स से बड़े पैमाने पर पैसे निकाले गए हैं। आंकड़ों के मुताबिक अगस्त 2025 इक्विटी म्यूचुअल फंड्स के लिए मिला-जुला महीना रहा। कुल नेट इनफ्लो 33,430 करोड़ रुपये रहा, जो जुलाई 2025 के 42,702 करोड़ रुपये की तुलना में करीब 22% कम है। हालांकि यह गिरावट दिखाती है कि निवेशक थोड़े सावधान हो गए हैं, लेकिन यह भी सच है कि यह लगातार 54वां महीना है जब इक्विटी फंड्स में नेट इनफ्लो देखने को मिला।

फ्लेक्सी, मिड और लार्ज कैप में इनफ्लो बढ़ा

अगस्त में सबसे ज्यादा निवेश फ्लेक्सी कैप फंड्स में आया। इस कैटेगरी में 7,679 करोड़ रुपये का नेट इनफ्लो दर्ज हुआ, जो जुलाई के 7,654.33 करोड़ रुपये के नेट-इनफ्लो के मुकाबले थोड़ा बेहतर रहा। मिड कैप फंड्स में भी 5,330 करोड़ रुपये का इनफ्लो रहा, जबकि जुलाई में यह 5,182 करोड़ रुपये था। दिलचस्प बात यह रही कि लार्ज कैप फंड्स में 2,835 करोड़ रुपये का नेट निवेश आया, जो जुलाई के 2,125 करोड़ रुपये से 33% ज्यादा रहा। हालांकि, स्मॉल कैप फंड्स में निवेश की रफ्तार थोड़ी धीमी पड़ी और इसमें नेट इनफ्लो जुलाई के 6,484 करोड़ रुपये से घटकर अगस्त में 4,993 करोड़ रुपये रह गया।

डेट फंड्स में निकासी का दबाव

अगस्त 2025 में डेट म्यूचुअल फंड्स ने बड़ा झटका खाया। कुल मिलाकर इस कैटेगरी से 7,980 करोड़ रुपये का नेट आउटफ्लो हुआ। यह तब है जब जुलाई 2025 में इन्हीं फंड्स में 1.07 लाख करोड़ रुपये का नेट इनफ्लो दर्ज हुआ था। कई सब-कैटेगरी जैसे कॉरपोरेट बॉन्ड फंड्स, बैंकिंग एवं पीएसयू फंड्स और गिल्ट फंड्स से पैसे निकाले गए। इसका बड़ा कारण कॉर्पोरेट्स और संस्थागत निवेशकों की तरफ से मनी मार्केट और लिक्विड फंड्स से निकासी बताई जा रही है, जो आमतौर पर तिमाही खत्म होने के बाद होती है।

हाइब्रिड फंड्स का आकर्षण बरकरार

हाइब्रिड फंड्स में निवेशकों का भरोसा जारी रहा। अगस्त में इसमें 15,294 करोड़ रुपये का नेट इनफ्लो दर्ज हुआ। हालांकि यह जुलाई के 20,879 करोड़ रुपये से कम है, लेकिन फिर भी इससे संकेत मिलता है कि निवेशक बैलेंस्ड और डायनैमिक स्ट्रेटजी वाले फंड्स को पसंद कर रहे हैं।

गोल्ड ईटीएफ और इंडेक्स फंड्स रहे फेवरिट

गोल्ड ईटीएफ अगस्त में निवेशकों के बीच काफी पॉपुलर रहे. इनमें 2,190 करोड़ रुपये का नेट इनफ्लो आया, जो जुलाई के 1,256 करोड़ रुपये की तुलना में करीब 74% ज्यादा है. इससे यह भी पता चलता है कि सोने की कीमतों में लगातार मजबूती और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मौजूदा चुनौतियों के कारण निवेशक गोल्ड को सुरक्षित ऑप्शन मान रहे हैं। इंडेक्स फंड्स और अन्य ईटीएफ का आकर्षण भी बरकरार है। अगस्त में इंडेक्स फंड्स का एयूएम करीब 3.04 लाख करोड़ रुपये और नेट इनफ्लो 1,503 करोड़ रुपये रहा, जबकि अन्य ईटीएफ का एयूएम करीब 8.42 लाख करोड़ रुपये और नेट इनफ्लो 7,244 करोड़ रुपये रहा।

एनएफओ कलेक्शन में भारी गिरावट

जुलाई में म्यूचुअल फंड्स की 30 नई स्कीम्स या न्यू फंड ऑफर (एनएफओ) लॉन्च हुए थे और उनके जरिये 30,416 करोड़ रुपये जुटाए गए थे। लेकिन अगस्त में एनएफओ की संख्या घटकर 23 और जुटाई गई रकम सिर्फ 2,859 करोड़ रुपये रह गई।

फोलियो नए रिकॉर्ड पर, कुल एयूएम घटा

इंडस्ट्री का कुल एयूएम अगस्त में 75.19 लाख करोड़ रुपये रहा, जो जुलाई के 75.36 लाख करोड़ रुपये से मामूली रूप से कम है, लेकिन इस दौरान फोलियो की कुल संख्या बढ़कर 24.89 करोड़ हो गई। जुलाई में यह संख्या 24.57 करोड़ थी। यानी निवेशकों के लगभग 32 लाख नए खाते जुड़े, जो यह दिखाता है कि छोटे निवेशक लगातार इस इंडस्ट्री का हिस्सा बन रहे हैं। अगस्त 2025 का महीना इस लिहाज से अहम रहा कि इक्विटी फंड्स में पैसे आते रहे, लेकिन रफ्तार धीमी हुई। फ्लेक्सी कैप, मिड कैप और लार्ज कैप फंड्स में निवेशकों का भरोसा दिखा, जबकि स्मॉल कैप में सावधानी दिखी। दूसरी ओर, डेट फंड्स ने करारा झटका खाया. हाइब्रिड फंड्स और गोल्ड ईटीएफ निवेशकों को आकर्षित करते रहे।

निवेश का जैकपॉट : कुछ इक्विटी फंड्स ने 10 साल में दिया 533 से 678% तक रिटर्न

लंबी अवधि का मानक 10 साल मानें तो कई इक्विटी म्यूचुअल फंड सबसे बेहतर

सात फंड ऐसे हैं, जिनमें 20% सालाना से अधिक रिटर्न निवेशको को मिला

इन फंड्स को खरीदने वाले निवेशक भी मालामाल, जमकर किया निवेश

बिजनेस डेस्क

अगर आप भी निवेशक हैं या निवेश करने जा रहे हैं तो एक बार बाजार के बारे में रिसर्च जरूर कर लें। इससे आपको निवेश में आसानी रहेगी और पैसे का नुकसान नहीं होगा। बाजार में पैसा लगाने से पहले अपनी रिस्क क्षमता और लक्ष्य को जान लें। इसके बाद निवेश करेंगे जो मुनाफे में ही रहेंगे। म्यूचुअल फंड में निवेश करने जा रहे हैं तो हमेशा लंबी अवधि का लक्ष्य लेकर चलें। म्यूचुअल फंड लंबी अवधि के निवेश के लिए सबसे अच्छे विकल्पों में एक माने जाते हैं। निवेश की अवधि जितना अधिक होगी, कंपाउंडिंग का उतना ज्यादा फायदा मिलेगा। लंबी अवधि का मानक 10 साल मानें तो कई इक्विटी म्यूचुअल फंड स्कीम निवेशकों के लिए जैकपॉट साबित हुई हैं। इनमें से 7 फंड तो ऐसे हैं, जिनमें 20 फीसदी सालाना से अधिक रिटर्न मिला है। इनका 10 साल में एबसॉल्यूट रिटर्न 533 से 678 फीसदी रहा है। इसका मतलब है कि इन्होंने इस अवधि में निवेशकों का पैसा 6 से 7.5 गुना बढ़ा दिया। हमने इस रिपोर्ट में ईटीएफ को शामिल नहीं किया है।

म्यूचुअल फंड में निवेश करने जा रहे हैं तो हमेशा लंबी अवधि का लक्ष्य लेकर चलें

●

बाजार में पैसा लगाने से पहले अपनी रिस्क क्षमता और लक्ष्य को पहचान लें

निप्पॉन इंडिया स्मॉल कैप फंड

- 5 साल का रिटर्न : 22.78% सालाना
- 1 लाख निवेश की वैल्यू : 7,78,532 रुपये (7.79 लाख)
- रेटिंग : 5 स्टार
- कुल एसेट्स : 64,821 करोड़ रुपये (31 अगस्त, 2025)
- एक्सपेंस रेश्यो : 0.64% (31 अगस्त, 2025)

क्वांट ईएलएसएस टैक्स सेवर फंड

- 5 साल का रिटर्न : 21.86% सालाना
- 1 लाख निवेश की वैल्यू : 7,22,124 रुपये (7.22 लाख)
- रेटिंग : 3 स्टार
- कुल एसेट्स : 11,396 करोड़ रुपये (31 अगस्त, 2025)
- एक्सपेंस रेश्यो : 0.58% (31 अगस्त, 2025)

एचडीएफसी स्मॉल कैप फंड

- 5 साल का रिटर्न : 20.47% सालाना
- लाख निवेश की वैल्यू : 6,43,857 रुपये (6.44 लाख)
- रेटिंग : 4 स्टार
- कुल एसेट्स : 36,294 करोड़ रुपये (31 अगस्त, 2025)
- एक्सपेंस रेश्यो : 0.69% (31 अगस्त, 2025)

एक्सिस स्मॉल कैप फंड

- 5 साल का रिटर्न : 20.46% सालाना
- 1 लाख निवेश की वैल्यू : 6,43,622 रुपये (6.43 लाख)
- रेटिंग : 3 स्टार
- कुल एसेट्स : 25,569 करोड़ रुपये (31 अगस्त, 2025)
- एक्सपेंस रेश्यो : 0.57% (31 अगस्त, 2025)

इन्वेस्को इंडिया मिड कैप फंड

- 5 साल का रिटर्न : 20.39% सालाना
- 1 लाख निवेश की वैल्यू : 6,39,594 रुपये (6.40 लाख)
- रेटिंग : 4 स्टार
- कुल एसेट्स : 8,063 करोड़ रुपये (31 अगस्त, 2025)
- एक्सपेंस रेश्यो : 0.56% (31 अगस्त, 2025)

एसबीआई स्मॉल कैप फंड

- 5 साल का रिटर्न : 20.30% सालाना
- 1 लाख निवेश की वैल्यू : 6,34,828 रुपये (6.35 लाख)
- रेटिंग : 3 स्टार
- कुल एसेट्स : 35562.96 करोड़ रुपये (31 अगस्त, 2025)
- एक्सपेंस रेश्यो : 0.73% (31 अगस्त, 2025)

क्वांट स्मॉल कैप फंड

- 5 साल का रिटर्न : 20.25% सालाना
- 1 लाख निवेश की वैल्यू : 6,32,195 रुपये (6.32 लाख)
- रेटिंग : 4 स्टार
- कुल एसेट्स : 28,758 करोड़ रुपये (31 अगस्त, 2025)
- एक्सपेंस रेश्यो : 0.72% (31 अगस्त, 2025)

क्या हैं इक्विटी फंड

इक्विटी फंड एक प्रकार का म्यूचुअल फंड है जो मुख्य रूप से शेयर बाजार में निवेश करता है। इसका उद्देश्य निवेशकों को शेयर बाजार में निवेश करने का अवसर प्रदान करना है, जिससे वे अपने निवेश पर अच्छा रिटर्न प्राप्त कर सकें।

इक्विटी फंड के प्रकार

1. **लार्ज-कैप फंड:** ये फंड बड़े कैप शेयरों में निवेश करते हैं, जो आमतौर पर अच्छी तरह से स्थापित कंपनियों के शेयर होते हैं।
2. **मिड-कैप फंड:** ये फंड मध्यम आकार की कंपनियों के शेयरों में निवेश करते हैं, जो आमतौर पर तेजी से बढ़ने वाली कंपनियां होती हैं।
3. **स्मॉल-कैप फंड:** ये फंड छोटी कंपनियों के शेयरों में निवेश करते हैं, जो आमतौर पर उच्च जोखिम और उच्च रिटर्न की संभावना के साथ आते हैं।
4. **सेक्टोरल फंड:** ये फंड विशिष्ट क्षेत्रों या उद्योगों में निवेश करते हैं, जैसे कि टेक्नोलॉजी, फार्मास्यूटिकल्स, या ऑटोमोबाइल।

इक्विटी फंड के लाभ

1. **विविधीकरण:** इक्विटी फंड निवेशकों को विविधीकरण का अवसर प्रदान करते हैं, जिससे वे अपने निवेश को विभिन्न शेयरों में फैला सकते हैं।
2. **पेशेवर प्रबंधन:** इक्विटी फंड पेशेवर फंड प्रबंधकों द्वारा प्रबंधित किए जाते हैं, जो निवेशकों के लिए निवेश के निर्णय लेते हैं।
3. **लिक्विडिटी:** इक्विटी फंड निवेशकों को अपने निवेश को आसानी से बेचने और नकदी प्राप्त करने का अवसर प्रदान करते हैं।

इक्विटी फंड के जोखिम

1. **बाजार जोखिम:** इक्विटी फंड शेयर बाजार में निवेश करते हैं, जो बाजार की अस्थिरता के कारण जोखिम भरा हो सकता है।
2. **कंपनी-विशिष्ट जोखिम:** इक्विटी फंड विशिष्ट कंपनियों के शेयरों में निवेश करते हैं, जो कंपनी-विशिष्ट जोखिमों के अधीन हो सकते हैं।
3. **इक्विटी फंड:** निवेशकों के लिए एक अच्छा विकल्प हो सकता है जो शेयर बाजार में निवेश करने के इच्छुक हैं और जोखिम उठाने की क्षमता रखते हैं

करोड़पति बनाने वाली स्कीमों में लोग कर रहे जमकर निवेश, आठ गुणा तक बढ़ा पैसा

सिर्फ 9 साल में छू लिया आसमानी आंकड़ा, 28,265 करोड़ कर डाले निवेश, एसआईपी के जरिए म्यूचुअल फंड में निवेश लगातार बढ़ रहा

अपने पैसे को लोग अलग-अलग स्कीम में निवेश करते हैं। किसी स्कीम में रिटर्न कम मिलता है तो किसी में ज्यादा। वहीं जो लोग जोखिम लेते हैं, वे एसआईपी के जरिए म्यूचुअल फंड में निवेश करते हैं। यह एक ऐसी स्कीम है जिसमें लगातार छोटी रकम के निवेश से ही व्यक्ति करोड़पति बन सकता है। एक नई रिपोर्ट के अनुसार, एसआईपी के जरिए म्यूचुअल फंड में हर महीने जमा होने वाला पैसा पिछले नौ सालों में लगभग आठ गुना बढ़ गया है। व्हाइटओक कैपिटल म्यूचुअल फंड की एक रिपोर्ट बताती है कि अगस्त 2016 में एसआईपी के जरिए कुल 3,497 करोड़ रुपये आए थे। अगस्त 2025 तक ये आंकड़ा बढ़कर 28,265 करोड़ रुपये हो गया है। इससे पता चलता है कि निवेशकों का एसआईपी पर भरोसा बढ़ रहा है। वे इसे पैसे बनाने का एक अच्छा तरीका मान रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि यह लगातार वृद्धि दिखाती है कि एसआईपी में निवेशकों का विश्वास बढ़ रहा है।

कितना रहा रिटर्न : अगस्त 1996 से अगस्त 2025 के बीच एसआईपी से मिलने वाला सबसे ज्यादा रिटर्न 55.6 प्रतिशत रहा। वहीं, सबसे कम रिटर्न -24.6 प्रतिशत रहा। लेकिन अगर औसत रिटर्न की बात करें, तो यह 14-16 प्रतिशत के आसपास रहा। यह इस बात पर निर्भर करता है कि आपने कितने समय के लिए निवेश किया है।

निवेश का कौन सा समय सही : रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि मार्केट में कब निवेश करना है, यह इतना जरूरी नहीं है जितना कि निवेश करते रहना। अगर आपने मार्केट के टॉप पर भी एसआईपी शुरू की थी, तो भी आपको लंबे समय में अच्छा फायदा हुआ होगा। उदाहरण के लिए, अगर किसी ने जनवरी 2008 में 10,000 रुपये की मंथली एसआईपी शुरू की थी, जो कि ग्लोबल फाइनेंशियल क्राइसिस से ठीक पहले का समय था, तो भी अगस्त 2025 तक उसका 21.2 लाख रुपये का निवेश बढ़कर 75.23 लाख रुपये हो गया होता। इस पर उसे लगभग 13 प्रतिशत का एक्सआईआरआर मिला होता। एक्सआईआरआर एक तरीका है जिससे पता चलता है कि आपके निवेश पर आपको कितना रिटर्न मिला है।

किस कैटेगरी का कितना रिटर्न : दिलचस्प बात यह है कि रिपोर्ट में यह भी पाया गया है कि मिड-कैप एसआईपी ने लॉन्ग टर्म में लार्ज-कैप और स्मॉल-कैप कैटेगरी से बेहतर रिटर्न दिया है। मिड-कैप एसआईपी का एवरेज रिटर्न 17.4 प्रतिशत रहा, जबकि लार्ज-कैप का 13 प्रतिशत और स्मॉल-कैप का 14.7 प्रतिशत रहा।

कोई भी लोन लेने से पहले फायदे और नुकसान को जान लें

फिक्स्ड, फ्लोटिंग या फिर हाइब्रिड होम लोन के लिए कौन-सी ब्याज दर बेहतर, फिक्स्ड रेट वाले लोन तब बेहतर होते जब ब्याज दरें बढ़ रही हों

तैयारी

बिजनेस डेस्क

जब लोन पर घर खरीदने जार रहे हों तो एक बार बैंकों की ब्याज दरों को जांच लें। किसी जानकारी से सलाह ले लें। इससे आपको परेशानी नहीं होगी और आसानी से घर खरीद सकेंगे। अक्सर जब लोग घर खरीदने के लिए होम लोन लेते हैं, तो सबसे बड़ा सवाल यही होता है कि किस तरह का इंटरेस्ट रेट चुना जाए। फिक्स्ड, फ्लोटिंग और हाइब्रिड तीनों विकल्पों के अपने फायदे और नुकसान हैं। सही चुनाव करने से आपकी ईएमआई और लंबे समय की फाइनेंशियल प्लानिंग पर बड़ा असर पड़ता है। इसलिए इस सवाल का जवाब लोन लेने से पहले ही जान लेंगे तो आसानी रहेगी।

फिक्स्ड इंटरेस्ट रेट लोन

- फिक्स्ड रेट में आपकी ईएमआई पूरी लोन अवधि या शुरुआती कुछ साल तक एक जैसी रहती है। इसका फायदा यह है कि ब्याज दरें बढ़ने पर भी आपकी ईएमआई नहीं बदलती। इससे आपको हर महीने का खर्च आसानी से मैनेज करने में मदद मिलती है। हालांकि, इसका नुकसान यह है कि अगर ब्याज दरें घट जाएं तो इसका फायदा आपको नहीं मिलेगा। साथ ही, शुरुआती दरें भी अक्सर फ्लोटिंग से ज्यादा होती हैं। यह विकल्प उन लोगों के लिए बेहतर है, जिन्हें स्थिरता चाहिए और ईएमआई में उतार-चढ़ाव नहीं चाहते।

फ्लोटिंग इंटरेस्ट रेट लोन

- फ्लोटिंग रेट आरबीआई की नीतियों और मार्केट की परिस्थितियों के हिसाब से बदलता है। इसका सबसे बड़ा फायदा यह है कि ब्याज दर घटने पर ईएमआई कम हो जाती है। इससे लंबे समय में यह फिक्स्ड से सस्ता साबित हो सकता है। होम लोन लेने वाले ज्यादातर लोग यही विकल्प चुनते हैं। मार्केट की स्थिति अर्थव्यवस्था में महंगाई और ब्याज दरों की दिशा होम लोन पर सीधा असर डालती है। जब महंगाई बढ़ती है तो बैंक ब्याज दरें ऊपर कर देते हैं ताकि जोखिम कम हो। वहीं स्थिर बाजार में ब्याज दरें अक्सर सस्ती हो जाती हैं। इसलिए टाइमिंग भी अहम फैक्टर है। लेकिन, फ्लोटिंग रेट की अपनी खामियां हैं। अगर ब्याज दर बढ़ जाएं तो **EMI** भी बढ़ जाती है। यह आपका पूरा बजट भी बिगाड़ सकती है। यह विकल्प उन लोगों के लिए ज्यादा सही रहता है, जो लंबे समय तक लोन लेने वाले हैं और ईएमआई में उतार-चढ़ाव सह सकते हैं।

हाइब्रिड इंटरेस्ट रेट लोन

- हाइब्रिड लोन में शुरुआती कुछ सालों तक ईएमआई फिक्स्ड रहती है और उसके बाद यह फ्लोटिंग में बदल जाती है। इस तरह पहले कुछ सालों तक स्थिरता मिलती है और बाद में मार्केट के हिसाब से ब्याज दरें घटने पर फायदा हो सकता है। हालांकि शुरुआती दरें फ्लोटिंग से थोड़ी ज्यादा हो सकती हैं और अगर बाद में ब्याज दरें बढ़ जाएं तो ईएमआई भी बढ़ेगी। यह विकल्प उन लोगों के लिए सही है जो शुरुआत में ईएमआई स्थिर रखना चाहते हैं और आगे चलकर रिस्क लेने को तैयार हैं।

क्या है एक्सपर्ट की राय?

जानकारों का कहना है कि फिक्स्ड रेट वाले लोन तब बेहतर होते हैं जब ब्याज दरें बढ़ रही हों। ये उन लोगों के लिए ठीक हैं जिन्हें स्थिरता चाहिए या लगता है कि दरें आगे और बढ़ेंगी। वहीं, फ्लोटिंग रेट घटती ब्याज दर वाले माहौल में सही रहते हैं। हाइब्रिड होम लोन उन लोगों के लिए होते हैं जो शुरू में कुछ साल तक निश्चित ईएमआई चाहते हैं, लेकिन आगे चलकर बाजार के हिसाब से ब्याज दरों का फायदा उठाना चाहते हैं।लोन की अवधि का असर लोन का टेन्योर जितना लंबा होगा, कुल ब्याज का बोझ उतना ज्यादा होगा। छोटी अवधि का लोन लेने पर ईएमआई थोड़ी बड़ी होगी लेकिन ब्याज की बचत काफी होगी। इसलिए अपनी क्षमता के हिसाब से संतुलित अवधि चुनना बेहतर रहता है।

लोन लेने की लागत स्थिर

अभी की स्थिति देखें तो लोन लेने की लागत स्थिर हो रही है। आरबीआई की ओर से रेपो रेट में हालिया कटौतियों से ग्राहकों का भरोसा भी बढ़ा है। इस समय फ्लोटिंग रेट होम लोन की ब्याज दर अपेक्षाकृत कम हैं। इसलिए यह उन लोगों के लिए अच्छा विकल्प है जो कुल ब्याज खर्च घटाना चाहते हैं।'होमबायर्स को आखिरी फैसला लेने से पहले कुछ बातों पर जरूर विचार करना चाहिए। जैसे कि अभी अलग-अलग लोन ऑप्शन पर ब्याज दर में कितना फर्क है और लोन अवधि कितनी लंबी है। अगर लोन लंबे समय के लिए है तो फ्लोटिंग रेट से फायदा हो सकता है, क्योंकि आगे चलकर अगर दरें घटती हैं तो कुल ब्याज का बोझ कम होगा।

ऐसे कर सकते हैं प्लानिंग

- **1. वित्तीय स्थिति का मूल्यांकन :** अपनी वित्तीय स्थिति का मूल्यांकन करें और देखें कि आप कितना होम लोन ले सकते हैं। अपनी आय, व्यय, और बचत को ध्यान में रखें।
- **2. होम लोन की आवश्यकता :** अपने होम लोन की आवश्यकता को निर्धारित करें। आपको कितनी राशि की आवश्यकता है? आप कितने समय में लोन चुकाना चाहते हैं?
- **3. ब्याज दरें और शर्तें :** विभिन्न बैंकों और वित्तीय संस्थानों की ब्याज दरें और शर्तें तुलना करें। सबसे अच्छा विकल्प चुनें जो आपकी आवश्यकताओं को पूरा करता है।
- **4. लोन की अवधि :** लोन की अवधि का चयन करें जो आपकी वित्तीय स्थिति के अनुसार उपयुक्त हो। लंबी अवधि के लोन में मासिक किस्त कम होती है, लेकिन कुल ब्याज अधिक होता है।
- **5. प्रोसेसिंग फीस और अन्य शुल्क :** प्रोसेसिंग फीस और अन्य शुल्कों को ध्यान में रखें। ये शुल्क आपके लोन की कुल लागत को बढ़ा सकते हैं।
- **6. क्रेडिट स्कोर :** अपने क्रेडिट स्कोर को जांचें और सुनिश्चित करें कि यह अच्छा है। एक अच्छा क्रेडिट स्कोर आपको बेहतर ब्याज दरों और शर्तों के लिए योग्य बना सकता है।
- **7. विकल्पों की तुलना :** विभिन्न होम लोन विकल्पों की तुलना करें और सबसे अच्छा विकल्प चुनें जो आपकी आवश्यकताओं को पूरा करता है।
- **8. वित्तीय सलाहकार से परामर्श :** यदि आवश्यक हो, तो वित्तीय सलाहकार से परामर्श लें। वे आपको होम लोन के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान कर सकते हैं और आपको सबसे अच्छा विकल्प चुनने में मदद कर सकते हैं।

पांच लाख की रकम को कैसे करें निवेश कि मिले बढ़िया मुनाफा

अक्सर ज्यादा रिटर्न देने वाले विकल्पों की तलाश में रहते हैं निवेशक

प्लानिंग

बिजनेस डेस्क

अगर आपके पास 5 लाख रुपये हैं और आप इन्हें निवेश करना चाहते हैं तो यह रिपोर्ट आपके लिए बेहतर हो सकती है। देखने में आया है कि भारतीय निवेशक हमेशा सुरक्षित और ज़्यादा रिटर्न देने वाले निवेश विकल्पों की तलाश में रहते हैं। अगर आप भी अपनी एकमुश्त रकम को निवेश करना चाहते हैं और इसके लिए बेहतर ऑप्शन की तलाश में हैं एक बार जरूर देखें की आपके लिए पोस्ट ऑफिस की सकीम बेहतर रहेगी, बैंक की एफडी या फिर डेट फंड इनमें से कहा आपको ज्यादा मुनाफा मिल सकता है। निवेश का चुनाव हमेशा व्यक्ति की फाइनेंशियल कंडीशन, गोल्स और रिस्क सहने की क्षमता पर निर्भर करता है। ऐसे में जब 5 लाख या 10 लाख रुपये के एकमुश्त निवेश की बात आती है तो लोगों के लिए सही विकल्प चुनना और जरूरी हो जाता है क्योंकि इतनी बड़ी रकम को ऐसे ही कहीं भी निवेश नहीं किया जा सकता। ऐसे में बैंक की तरह पोस्ट ऑफिस एफडी भी वर्षों से सुरक्षित और विश्वसनीय निवेश ऑप्शन रही है। वहीं, हाल के वर्षों में डेट फंड भी एक लोकप्रिय ऑप्शन के तौर पर उभर रहा है। लोग इसे एफडी से बेहतर रिटर्न देने वाला ऑप्शन मानते हैं। आइए समझते हैं कि अगर 5 लाख रुपये का निवेश कहां ज्यादा मुनाफा दे सकता है।

एकमुश्त निवेश के लिए सही विकल्प चुनना बेहद जरूरी

पोस्ट ऑफिस एफडी भी वर्षों से सुरक्षित और विश्वसनीय निवेश ऑप्शन रही

अब हाल के वर्षों में डेट फंड भी लोकप्रिय ऑप्शन के तौर पर उभरा

पोस्ट ऑफिस फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) की खासियत

- **सुरक्षा:** ये सबसे सुरक्षित निवेश विकल्पों में से एक है क्योंकि ये सरकार द्वारा समर्थित है.
- **निश्चित रिटर्न:** आपको निवेश की शुरुआत में ही ब्याज दर पता चल जाती है, जिससे रिटर्न का अनुमान लगाना आसान हो जाता है।
- **लॉक-इन अवधि:** तमाम टेन्योर के लिए उपलब्ध है, जैसे 1, 2, 3 और 5 साल।
- **रेगुलर ब्याज भुगतान:** आप मासिक, त्रैमासिक या वार्षिक आधार पर ब्याज प्राप्त करना चुन सकते हैं।

5 लाख के निवेश पर कितना होगा मुनाफा

- मान लीजिए कि आप पोस्ट ऑफिस की 5 साल की एफडी में निवेश कर रहे हैं। इस एफडी पर मौजूदा समय में 7.5% ब्याज मिल रहा है। अगर आप 5 लाख रुपये 5 साल के लिए निवेश करते हैं तो आपको 5 साल में 2,24,974 ब्याज मिलेगा और कुल मिलाकर 7,24,974 रुपये मिलेंगे।

डेट फंड की खासियत

- डेट फंड म्यूचुअल फंड की ही एक कैटेगरी है। इसमें खासतौर पर फिक्स्ड-इनकम सिक्योरिटीज जैसे सरकारी बॉन्ड, कॉर्पोरेट बॉन्ड, डिबेंचर, कमर्शियल पेपर और ट्रेजरी बिल में निवेश किया जाता है। इसका रिटर्न मार्केट बेस्ड होता है।
- **डायवर्सिफिकेशन:** डेट फंड तमाम तरह के हैं जैसे- लिक्विड फंड, अल्ट्रा-शॉर्ट ड्यूरेशन फंड, शॉर्ट ड्यूरेशन फंड, मीडियम ड्यूरेशन फंड और लॉन्ग ड्यूरेशन फंड, ऐसे में आपको डायवर्सिफिकेशन का मौका मिल जाता है।
- **लिक्विडिटी:** ये एफडी की तुलना में ज़्यादा लिक्विड होते हैं, क्योंकि आप अपनी यूनिट्स को किसी भी वर्किंग डे पर बेच सकते हैं (कुछ फंडों में एग्जिट लोड हो सकता है)।
- **प्रोफेशनल मैनेजमेंट :** फंड मैनेजर आपके पैसे का प्रबंधन करते हैं, जो बाज़ार की स्थितियों के आधार पर निवेश का फैसला लेते हैं।

5 लाख के निवेश पर रिटर्न

- डेट फंड का रिटर्न प्रदर्शन पर आधारित होता है और फ्यूचर में बदल सकता है। औसतन, कई डेट फंडों ने पिछले कुछ साल में 6-9% का रिटर्न दिया है। मान लीजिए आप 5 लाख रुपये 5 साल के लिए इसमें निवेश करते हैं और उस पर 9% का रिटर्न मिल रहा है तो 2,69,311 रुपये ब्याज के तौर पर मिलेंगे। इस तरह आपको कुल 5,00,000+2,69,312 = 7,69,312 रुपये मिलेंगे। हालांकि ये उदाहरण केवल अनुमानित है, वास्तविक रिटर्न फंड के प्रदर्शन पर निर्भर करेगा।

कौन सा विकल्प चुनें?

ये चुनाव आपकी व्यक्तिगत ज़रूरतों पर निर्भर करता है-जैसे जोखिम उठाने की क्षमता, अगर आप बिलकुल भी जोखिम नहीं लेना चाहते और अपनी पूंजी की 100% सुरक्षा चाहते हैं, तो पोस्ट ऑफिस एफडी आपके लिए बेहतर है। अगर आप थोड़ा जोखिम ले सकते हैं और एफडी से ज़्यादा रिटर्न चाहते हैं, तो डेट फंड एक अच्छा विकल्प है।

निवेश की अवधि

छोटी अवधि (3 साल से कम) के लिए, पोस्ट ऑफिस एफडी या शॉर्ट-ड्यूरेशन डेट फंड को देखा जा सकता है. लंबी अवधि (3 साल से ज़्यादा) के लिए, इंडेक्सेशन लाभ के कारण डेट फंड टैक्स के लिहाज से ज़्यादा कुशल और बेहतर रिटर्न दे सकता है।

खबर संक्षेप

आदमपुर में 22 को मनाई जाएगी अग्रसेन जयंती

आदमपुर। महाराजा अग्रसेन जयंती मनाने को लेकर अनाज मंडी में अग्रवाल सभा के अध्यक्ष घीसाराम जैन की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। इसमें आदमपुर में 22 सितंबर को धूमधाम से महाराजा अग्रसेन जयंती मनाने का निर्णय लिया गया। इस दिन महाराजा अग्रसेन की शोभा यात्रा निकाली जाएगी तथा रात्रि सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।

स्वामी प्रेमानंद से मिले एस्ट्रोलॉजर प्रदुमन सूरी

हिसार। रसिक संत एवं राधारानी के परम भक्त स्वामी प्रेमानंद से एस्ट्रोलॉजर प्रदुमन सूरी ने शिष्टाचार मुलाकात की। वृंदावन आश्रम में हुई इस मुलाकात में राधारानी और भक्ति भाव के प्रचार-प्रसार पर व्यापक चर्चा हुई। एस्ट्रोलॉजर प्रदुमन सूरी ने कहा कि संतों का ध्येय ईर्ष्या-द्वेष के बिना ईश्वर के गुणों का स्मरण, उनके नाम का जप और उनकी सेवा में समय बिताना होता है क्योंकि यही भक्ति का महत्वपूर्ण अंग है।

पुस्तकालय सेवाओं का प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

हिसार। राजकीय जिला पुस्तकालय हिसार में पुस्तकालय सेवाओं को आधुनिक बनाने के उद्देश्य से 8 से 12 सितंबर तक पांच दिवसीय क्षेत्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह प्रशिक्षण इनफ्लिबनेट सेंटर गांधीनगर व उच्चतर शिक्षा विभाग हरियाणा के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित हुआ। मंडलायुक्त अशोक कुमार गर्ग ने भी विशेष रूप से शिकरत की और अपने संबोधन में पुस्तकों के महत्व पर व्याख्यान दिया।

युवाओं को मिलेगा योगदान का अवसर : कोमल

हिसार। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय की महत्वाकांक्षी पहल माई भारत के अंतर्गत विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग (वीबीवाईएलडी) 2026 का आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवाओं को नेतृत्व, विचार-विमर्श और राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में शामिल करना है। जिला युवा अधिकारी कोमल ने बताया कि इस संवाद का लक्ष्य युवाओं को विकसित भारत @2047 के विजन से जोड़ना है।

पुलिस कर्मचारियों की मांगों पर चर्चा आज

हिसार। हरियाणा पुलिस संगठन जिला ईकाई की मासिक बैठक 15 सितंबर सोमवार को सुबह 10 बजे क्रांतिमान पार्क में होगी। वरिष्ठ जिला उपप्रधान रामरूप शर्मा ने बताया कि बैठक में पुलिस कर्मचारियों की लंबित मांगों पर विचार-विमर्श किया जाएगा। उन्होंने सेवानिवृत कर्मचारियों से अधिक से अधिक संख्या में बैठक में भाग लेने का आह्वान किया है।

भागवत कथा सुनने से कई जन्मों के पापों का क्षय : पराशर

खास बातें
- शेषावतार भगवान लक्ष्मण की स्थली पर श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन
- कथावाचक त्रिलोकी नाथ पराशर ने सुनाया भगवान वामन अवतार का प्रसंग

हांसी। कथा के दौरान भजन प्रस्तुत करती साक्षी बावा व झूमते हुए श्रद्धालु।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हांसी

सिसाय पुल स्थित शेषावतार भगवान लक्ष्मण की पावन स्थली तीर्थ स्थान मंदिर श्री लक्ष्मण चौतरा में पितृ पक्ष के उपलक्ष्य में संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन किया गया है। कथा के तीसरे दिन कथावाचक पंडित त्रिलोकी नाथ पराशर ने भक्तों को भगवान वामन अवतार व समुद्र मंथन का प्रसंग सुनाया। इस दौरान भगवान वामन की झांकी भी दिखाई गई। पंडित त्रिलोकीनाथ पराशर ने बताया कि श्रीमद् भागवत कथा सुनने से मनुष्य के कई जन्मों के पापों का क्षय हो जाता है। हमें भागवत कथा सुनने के साथ साथ उसकी शिक्षाओं पर भी अमल करना चाहिए। उन्होंने बताया कि वामन अवतार के रूप में भगवान विष्णु ने राजा बलि को यह शिक्षा दी कि दंभ और अंहकार से जीवन में कुछ भी हासिल नहीं होता और यह धन संपदा क्षण भंगुर होती है। इसलिए इस जीवन में परोपकार करों।

ये रहे उपस्थित

उन्होंने बताया कि अहंकार, गर्व, घृणा और ईर्ष्या से मुक्त होने पर ही मनुष्य को ईश्वर की कृपा प्राप्त होती है। भगवान सूर्य बिना किसी भेदभाव के सृष्टि के सभी प्राणियों को अपना प्रकाश देते हैं। वायु सभी जीवों में प्राणों का संचार करती है। इस दौरान मंदिर के सरपरस्त बक्शी लाल ठकराल, दिनेश मल्होत्रा, जगदीश सैनी, नंद किशोर खेतरपाल, पंडित गौतम उपाध्याय, सतीश खुराना, सुनील तागरा व अन्य श्रद्धालुगण उपस्थित थे।

एनसीसी एयर विंग कैडेट् का ओटीए में हुआ चयन

- दयानंद कॉलेज का छात्र है कैडेट प्रवेश कुमार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

शहर के दयानंद कॉलेज की एनसीसी एयर विंग कैडेट् के कैडेट प्रवेश कुमार का चयन एसएसबी प्रयागराज में हुआ है।

वे ओटीए चैन्नई में अपना प्रशिक्षण करेंगे। प्रवेश कुमार दयानंद महाविद्यालय के 2022 बैच के विद्यार्थी रह चुके हैं। इससे पूर्व वे दिल्ली पुलिस में हैड कॉस्टेबल के पद भी कार्य कर चुके है। प्राचार्य डॉ. विक्रमजीत सिंह ने प्रवेश कुमार की इस उपलब्धि के लिए प्रवेश कुमार तथा एनसीसी एयर विंग के सीटीओ डॉ. आदित्य कुमार को बधाई दी। इस अवसर पर प्राचार्य ने कहा कि इससे पूर्व भी महाविद्यालय के छात्र विभिन्न क्षेत्रों में आगे बढ़कर महाविद्यालय तथा प्रदेश का नाम रोशन कर चुके हैं।

जांच के लिए पहुंची सीएम फ्लाइंग, ग्रामीणों से की बातचीत

खटीक धर्मशाला निर्माण में लाखों के गबन का आरोप

गांव बालसमंद में सरकारी ग्रांट से खटीक समाज की धर्मशाला का निर्माण जारी

हिसार। जांच करती सीएम फ्लाइंग तथा ग्रामीणों से बातचीत करते हुए टीम के सदस्य।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

गांव बालसमंद में खटीक समाज की धर्मशाला निर्माण के नाम पर सरकारी ग्रांट का फर्जी उपयोग और लाखों रुपये के गबन का करने के आरोप का मामला सामने आया है।

ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि गांव की खटीक समाज धर्मशाला में एक कमरे और मुख्य गेट का निर्माण जन सहयोग से वर्षों पहले हो चुका था लेकिन कुछ लोगों ने अधिकारियों की मिलीभगत से उसी निर्माण को सरकारी ग्रांट से करवाया दिखाकर राशि निकाल ली। आरोप है कि दो-तीन सालों से इस खटीक समाज धर्मशाला में किसी भी प्रकार का सरकारी निर्माण कार्य नहीं हुआ है। उन्होंने बताया कि कुछ समय पहले गांव के सहयोग से बनाए गए कमरे और गेट से सहयोगकर्ताओं की नेम प्लेटें तक हटा दी गईं और बाद में नए कागज तैयार करके फर्जी निर्माण दिखाया गया। ग्रामीणों ने सरकार को शिकायत भेजी थी, जिसके बाद शनिवार को सीएम फ्लाइंग हिसार रेंज इंचार्ज सुनैना अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचीं। सीएम फ्लाइंग ने गांव में पहुंचकर ग्रामीणों से बातचीत की और पूरे मामले की जानकारी ली। उन्होंने खटीक धर्मशाला की कमेटी के पदाधिकारियों और ग्रामीणों के बयान दर्ज किए तथा धर्मशाला के निर्माण का भी निरीक्षण किया। साथ ही पंचायती राज विभाग के अधिकारियों से भी रिकॉर्ड मांगा गया है कि वास्तव में इस धर्मशाला में कब और कितना निर्माण कार्य सरकारी ग्रांट से हुआ है। ग्रामीणों ने सीएम फ्लाइंग टीम से मांग की कि इस पूरे प्रकरण की गहन जांच कराई जाए और यदि सरकारी धन का गबन साबित होता है तो दोषियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए। उधर, गांव बालसमंद की सरपंच मंजू ने बताया कि सीएम फ्लाइंग टीम जिस शिकायत की जांच करने के लिए पहुंची है, ग्राम पंचायत द्वारा न ही तो उपरोक्त निर्माण कार्य करवाया गया और ना ही पंचायत ने किसी तरह की पेमेंट की।

हम अपने मन का ख्याल रखें तो मन भी हमारा ख्याल रखेगा : डॉ. बहमनी

- 'बिल्डिंग बॉडस, ब्रेकिंग बेरियर्स : सोशल स्किल्स फॉर मेंटल वैलनेस' विषय पर व्याख्यान का आयोजन

हिसार। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथिगण एवं प्रतिभागी छात्राएं।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के अमृता देवी गर्ल्स हॉस्टल-4 के कॉमन हॉल में 'बिल्डिंग बोंडस, ब्रेकिंग बेरियर्स : सोशल स्किल्स फॉर मेंटल वैलनेस' विषय पर एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया।

यह व्याख्यान प्रसिद्ध रिलेशनशिप साइकोलॉजिस्ट एवं फैमिली काउंसलर डॉ. सुमन बहमनी ने प्रस्तुत किया। डॉ. सुमन बहमनी ने अपने व्याख्यान में सामाजिक कौशलों की भूमिका को मानसिक स्वास्थ्य के लिए आवश्यक बताते हुए भावनात्मक अवरोधों को पार करने के व्यावहारिक उपाय साझा किए। उन्होंने कहा कि यदि हम अपने मन का ख्याल रखें, तो मन भी हमारा ख्याल रखेगा। इस अवसर पर चीफ वार्डन प्रो. सुजाता सांघी ने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए सभी को बधाई दी। साथ ही डिप्टी चीफ वार्डन डॉ. विनिता ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में डॉ. संतोष, डॉ. वंदना, तथा लेडी वार्डन ज्योति और ऋतु यादव सहित भारी संख्या में छात्राएं उपस्थित रही।

चार वरिष्ठ लैब सहायकों को पदोन्नत करने के आदेश

हिसार। कर्मचारियों को पदोन्नति आदेश देते अधिकारी। फोटो : हरिभूमि

हिसार। लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय (लुवास), में अनुसंधान निदेशक की ओर से चार वरिष्ठ लैब सहायकों को लैब टेक्नीशियन पद पर पदोन्नत करने के आदेश जारी किए गए हैं।

पदोन्नत कर्मचारियों में प्रेम सिंह वेटेरिनरी मेडिसिन, पवन कुमार वेटेरिनरी एनाटॉमी, कुलदीप सिंह वेटेरिनरी क्लीनिकल कॉम्प्लेक्स व रमेश कुमार, कॉलेज सेंट्रल लेबोरेटरी है। जबकि हाल ही में सुनील गोयत को भी पदोन्नति मिली है। अनुसंधान निदेशक डॉ. नरेश जिंदल ने सभी पदोन्नत कर्मचारियों को बधाई दी और नई जिम्मेदारियों को निष्ठापूर्वक निभाने की प्रेरणा दी।

आरडीएम में शिक्षकों को दिया प्रशिक्षण

उकलाना। आरडीएम सरस्वती पब्लिक स्कूल के प्रांगण में एक दिवसीय शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इस अवसर पर आरडीएम संस्था के चेयरमैन डॉ. केसी शर्मा, प्रधानाचार्या डॉ. शालू एस कटारिया और अध्यापकजन 'गुरुकुल स्कूल ' उकलाना, बजाज गुरुकुल स्कूल ' बरवाला और बाबा बिलासगर स्कूल, खैरी भी उपस्थित रहे। दोनों प्रशिक्षकों रितु आंचल और अलीनजीत ने जीवन कौशल विषय को गहराई से प्रस्तुत कर कक्षा में उनके प्रयोग के लाभ बताए। प्रत्येक विषय और उद्देश्य को बारीकी से प्रस्तुत किया। विभिन्न स्कूलों से आए अध्यापकों ने भी इस कार्यक्रम में उत्साह दिखाते हुए प्रस्तुती दी।

लोक अदालत में 19 हज़ार 154 केसों का फैसला

हिसार। राष्ट्रीय लोक अदालत में सुनवाई की गई। फोटो : हरिभूमि

हिसार। हिसार व हांसी के न्यायिक परिसरों में शनिवार को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। इस राष्ट्रीय लोक अदालत में कुल 19 हजार 683 मुकदमों में से 19 हजार 154 केसों का फैसला किया गया। जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण के सीजेएम एवं सचिव अशोक कुमार ने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत में कुल सात बैच स्थापित किए गए थे। अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश निशांत कुमार, मधुलिका, प्रधान न्यायाधीश (फैमिली कोर्ट) पूनम सुनेजा, एसीजेएम अनुराधा, हर्षा शर्मा, जेएमआईसी आयुष तथा हांसी सब डिविजन में जेएमआईसी तरुण चौधरी की बेंच में लंबित मामलो का निपटारा किया गया। एमएसीटी के 53 मुरुदमी में से 37 केसो में 96 लाख 94 हजार रूपये के क्लेम पास किये गए। बैंक रिकवरी के 65 केसों में से 33 केसों में 41 लाख 63 हजार 255 रुपए की रिक्वरी की गई।

आज चुनौतियों को अवसर में बदलने का समय

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इन्दिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2025-26 में प्रवेश पाने वाले नवागंतुक विद्यार्थियों के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता उपरोक्त महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. अतुल ढींगड़ा ने की। यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय के दीक्षारंभ कार्यक्रम की कड़ी के रूप में आयोजित किया गया। सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. अतुल ढींगड़ा ने अपने सम्बोधन में कहा कि विश्वविद्यालय में नवागंतुक विद्यार्थियों को सभी प्रकार की मुलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए समुचित प्रबंध किए गए हैं। उन्होंने कहा कि आज चुनौतियों को अवसर में बदलने का समय है। नई शिक्षा नीति के तहत रोजगार के अवसरों में उल्लेखनीय वृद्धि तथा विविधताएं विद्यमान है। कार्यक्रम में महाविद्यालय के सभी विभागाध्यक्षों ने संबंधित विभाग में पढ़ाई जा रहे पाठ्यक्रम, उपलब्ध सुविधाओं, रोजगार के अवसर एवं विभाग की श्रेष्ठतम उपलब्धियां के बारे में भी जानकारी दी गई।

हिंदी भाषा में रोजगार की अपार सम्भावनाएं : डॉ. दुहन

- प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र व राशि देकर पुरस्कृत किया

हिसार। विजेता छात्र को पुरस्कृत करते प्राचार्य डॉ कमलेश दुहन व अन्य स्टाफ।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

राजकीय महाविद्यालय नलवा में हिंदी विभाग द्वारा आयोजित किया जा रहे "हिंदी सप्ताह कार्यक्रम" का समापन जिला उच्चतर शिक्षा अधिकारी एवं प्राचार्या डॉ. कमलेश दूहन की अध्यक्षता में हुआ।

डॉ. दुहन ने विद्यार्थियों को बताया कि हिंदी भाषा में रोजगार की अपार संभावनाएं हैं, विशेष रूप से डिजिटल युग में, जहां अनुवाद, सामग्री निर्माण, पत्रकारिता, शिक्षण, सरकारी और निजी क्षेत्रों में अवसर बढ़ रहे हैं। कंपनियां और राजनीतिक दल आम जनता तक पहुंचने के लिए सोशल मीडिया पर हिंदी कंटेंट को बढ़ावा दे रहे हैं, जिससे सोशल मीडिया मैनेजर्स की आवश्यकता बढ़ रही है। प्राचार्य डॉ. कमलेश दूहन ने हिंदी सप्ताह कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित हिंदी निबंध लेखन प्रतियोगिता, लघु प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में प्रथम द्वितीय तृतीय स्थान पर आए प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र व 2100 रुपये की धनराशि देकर पुरस्कृत किया।

सुनील श्योराण को शहादत दिवस पर दी श्रद्धांजलि

- भाईचारा सम्मेलन एवं शहीद सुनील श्योराण शहादत दिवस पर सम्मान समारोह आयोजित

नारनौंद। दादा देवराज धर्मशाला में आयोजित कार्यक्रम में भाग लेते जाट समाज के लोग। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौंद

भाईचारा यात्रा–2025 हरियाणा के अंतर्गत शनिवार को दादा देवराज धर्मशाला में आयोजित भाईचारा सम्मेलन शहीद सुनील श्योराण की पुण्यतिथि को समर्पित रहा। इस मौके पर प्रदेशभर से पहुंची सरदारी ने शहीद को भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रताप सिंह दहिया ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि 13 सितंबर 2010 का दिन पूरे समाज के लिए यादगार है। इसी दिन सुनील श्योराण ने छोटी उम्र में कौम के अधिकारों के लिए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए। उनका बलिदान नई पीढ़ी के लिए प्रेरणास्त्रोत रहेगा। आज हम सब उनके पराक्रम को याद कर यह संकल्प लेते हैं कि शहीदों का बलिदान कभी व्यर्थ नहीं जाने देंगे। कार्यक्रम में शहीद सुनील श्योराण के बड़े भाई अनिल श्योराण को मंच से सम्मानित किया गया। उन्होंने भाईचारा यात्रा के उद्देश्यों पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि इस यात्रा का मकसद तीन बिंदुओं पर केंद्रित है। पहला, जाट समाज के आरक्षण और अधिकारों की लड़ाई को मजबूती देना, दूसरा, प्रदेश की 36 बिरादरी में भाईचारा और एकता को बढ़ाना और तीसरा, चौ. छोटूराम धाम, जसिया के निर्माण कार्य को गति देना। दहिया ने उपस्थित लोगों से आह्वान किया कि वे इस अभियान को जन आंदोलन का रूप दें और 5 अक्टूबर को अधिक से अधिक संख्या में छोटूराम धाम जसिया पहुंचकर इतिहास रचें।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष गंगाराम श्योराण, नवनियुक्त प्रदेश उपाध्यक्ष बलवान सुंडा, सूरजमल जागलान, राज सिंह, जोरा सिंह, रमेश कुंडू, रामफल चहल, आजाद ढांडा, रामनिवास, वजीर ढांडा, बलवान लोहान, शीलू, जंगी, बलजीत, मास्टर प्रताप, सुनील, आनंद, शमशेर, मास्टर सतबीर, मास्टर फूलकुमार, सत्यवान आदि मौजूद रहे।

छात्रों को नवाचार चुनौतियों के प्रति तैयार होने के लिए किया प्रोत्साहित

- टाटा इमेजिनेशन चैलेंज 2025 पर अभिविन्यास सत्र आयोजित

हिसार। कार्यक्रम में मुख्यातिथि डा. प्रताप सिंह को सम्मानित करते विभागाध्यक्ष प्रो. ओमप्रकाश सांगवान।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

अनस्टॉप इग्निटर्स क्लब की ओर से सीआरएस ऑडिटोरियम के सेमिनार हॉल-3 में टाटा इमेजिनेशन चैलेंज 2025 पर एक अभिविन्यास सत्र का आयोजन किया।

इस सत्र का उद्देश्य विद्यार्थियों को प्रतिष्ठित टाटा इमेजिनेशन चैलेंज से परिचित कराना और उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर अपने अभिनव विचारों को प्रदर्शित करने और इसमें भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करना था। कार्यक्रम में ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के निदेशक डॉ. प्रताप सिंह मलिक मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। सत्र की अध्यक्षता विभागाध्यक्ष प्रो. ओमप्रकाश सांगवान ने की। मुख्य वक्ता सोनिक सौरभ ने अपने सम्बोधन में टाटा इमेजिनेशन चैलेंज, इसकी संरचना, लाभों और सफलता की रणनीतियों का विस्तृत विवरण दिया। मेंटर बिंदु रानी ने पूरे कार्यक्रम के दौरान आयोजन समिति का मार्गदर्शन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

नारनौंद विस के चारों मंडलों की विधानसभा कार्यशाला का आयोजन

भाजपा कार्यकर्ता राष्ट्र के निर्माण में योगदान दें : सिहाग

सेवा पखवाड़ा अभियान को लेकर कार्यक्रम

नारनौंद। भारत माता की प्रतिमा पर माल्यार्पण करते हुए जिला परिषद अध्यक्ष सोनू सिहाग व अन्य।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौंद

सेवा पखवाड़ा अभियान के अंतर्गत शनिवार को नारनौंद विधानसभा के चारों मंडलों की संयुक्त विधानसभा कार्यशाला का आयोजन भाजपा कार्यालय में किया गया।

इसमें मुख्य अतिथि के रूप में जिला परिषद के अध्यक्ष सोनू सिहाग डाटा ने शिरकत की। अध्यक्ष सोनू डाटा ने कहा कि 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक चलने वाला यह अभियान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस से लेकर गांधी जयंती तक सेवा, समर्पण और सकारात्मक मुख्य उद्देश्य समाज की अंतिम पंक्ति तक सेवा पहुंचना तथा प्रत्येक कार्यकर्ता को जनकल्याण से जोड़ना है। उन्होंने बताया कि भाजपा 36 बिरादरी की पार्टी है और पूरे प्रदेश का सामान तरीके से विकास करवा जा रहा है। हमारा देश एक बड़ी शक्ति के रूप में उभर रहा है। आज देशभर में ऐसी कल्याणकारी योजनाएं चलाई गई है। जिससे कि आम लोगों को फायदा पहुंच रहा है। स्वास्थ्य को लेकर भी बड़े सत्र पर कार्य किया जा रहा है।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर जिला महामंत्री धर्मबीर रतेरिया, विक्रम चोपड़ा, नीलम जागड़ा, आजद शर्मा, कुलदीप गौतम, बिजेंद्र उगालन, कर्णपाल पेटवाड़, सुरेश एमसी, नपा चेयरमैन शमशेर लोहान, पार्षद सुनिल बैरागी, राजबीर खेडीवाला, अमित मोर, सोनू सैनी, महावीर श्योराण अमरजीत लोहान, राजेंद्र लांबा, अंग्रेजो देवी, अफसाना कोथ, रसीला, संतोष आदि मौजूद थे।

खबर संक्षेप

17 सितंबर को लगाया जाएगा रक्तदान शिविर

हिसार। अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद ने 17 सितम्बर को अपने 61वें स्थापना दिवस और इसी दिन होने वाले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्म दिवस को दुनिया भर में विशाल स्तर पर मनाने का फैसला किया है। हरियाणा तेरापंथ सभा के प्रांतीय संरक्षक सुरेश जैन सिसाये वाले ने बताया कि इस दिन दुनिया के 75 देशों में 7500 से अधिक रक्तदान कैम्प लगाये जाएंगे। परिषद की हिसार इकाई के मंत्री आशीष जैन ने बताया कि इस अभियान को सफल बनाने के उद्देश्य से हिसार में जिंदल रोड़ स्थित मंगलम ब्लड बैंक में रक्तदान कैम्प लगाया जाएगा।

मंत्री पवार कल आदमपुर में सुनेंगे समस्याएं

आदमपुर। पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पवार 15 सितंबर सोमवार को आदमपुर अनाज मंडी स्थित भाजपा नेता कुलदीप बिश्नोई के प्रतिष्ठान पर पहुंचेंगे। इस अवसर पर आदमपुर बलाक की पंचायतों की समस्याओं को सुनेंगे तथा समाधान का प्रयास करेंगे। इस अवसर पर पूर्व विधायक भव्य बिश्नोई भी मौजूद रहेंगे।

भवन निर्माण मजदूर 17 को सीएम का करेंगे विरोध

बरवाला। भवन निर्माण मजदूर संघ इंटक यूनियन के सभी ब्लॉक प्रधानों की मीटिंग हुई। इसकी अध्यक्षता जिलाध्यक्ष जोरा सिंह पाबड़ा ने की। इस बैठक मे मुख्य रूप से प्रदेशाध्यक्ष धर्मबीर सिंह लोहान और प्रदेश महासचिव कृष्ण कुमार नैन उपस्थित हुए। बैठक में प्रदेश के निर्माण मजदूर द्वारा 17 सितंबर को रोहतक में मुख्यमंत्री का विरोध करने को लेकर रणनीति बनाई गई।

स्प सेंटर का कचरा फेंकने पर किया चालान

हिसार। स्वच्छता अभियान के अंतर्गत नगर निगम की निरीक्षण टीम द्वारा शहर के विभिन्न क्षेत्रों का नियमित दौरा किया जा रहा है ताकि स्वच्छता नियमों का पालन सुनिश्चित किया जा सके। इसके चलते निगम टीम को निरीक्षण के दौरान एक युवक खुले में कचरा फेंकते हुए मिला। जब उससे पूछताछ की गई तो उसने बताया कि वह कचरा एक स्पॉ सेंटर से लाया गया था। यह स्पष्ट रूप से स्वच्छता नियमों का उल्लंघन था। टीम में शामिल एएसआई कपिल व अन्य सदस्यों ने तुरंत कार्रवाई करते हुए संबंधित स्पा सेंटर पर 5 हजार रुपये का चालान किया। उधर, निगम टीम ने खुले में कचरा डालने पर रेड स्क्वेयर मार्केट में 2 व्यक्तियों को 500-500 रुपये का चालान किया है।

नियाना में कीटनाशक के प्रभाव से युवक की मौत

हिसार। निकटवर्ती गांव नियाना में कीटनाशक के प्रभाव के कारण एक युवक की मौत हो गई। करीब 32 वर्षीय अनूप की मौत मामले में पुलिस ने इत्तेफाकिया कार्रवाई की है। परिजनों के अनुसार अनूप शुक्रवार को खेत में फसल पर कीटनाशक का छिडक़ाव करने गया था। वह शाम को घर आया। वह बाद में घर में उल्टा करता दिखा और उसकी तबीयत बिगड़ गई। उसे अस्पताल में लेकर गए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

150 करोड़ रुपये की परियोजना से घग्गर मल्टीपर्पज ड्रेन का दबाव होगा कम

सीवरेज प्रणाली में सुधार के लिए 22 नई सुपर सक्कर मशीनों के दिए ऑर्डर: गंगवा

3,500 किमी सड़कों के टेंडर पूरे, दिसंबर अंत तक निर्माण कार्य पूरा होगा।

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

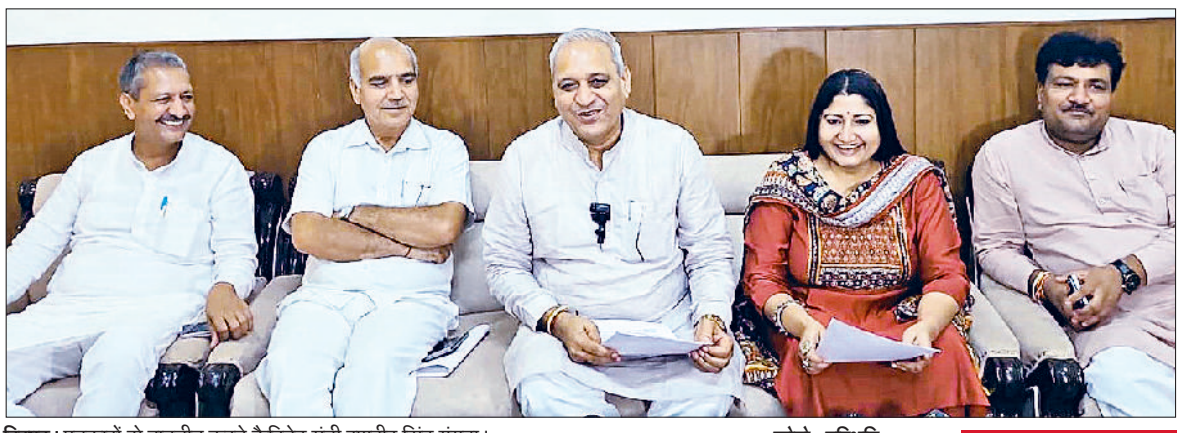

हिसार। पत्रकारों से बातचीत करते कैबिनेट मंत्री रणबीर सिंह गंगवा। फोटो: हरिभूमि

लोक निर्माण एवं जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री रणबीर सिंह गंगवा ने कहा है कि प्रदेश की सड़कों में सुधार के लिए व्यापक कार्य योजना तैयार कर ली गई है। इसके तहत पीडब्ल्यूडी विभाग की 6 हजार 179 किलोमीटर की सडक़ों को इसी वित्तिय वर्ष में दुरूस्त कर ली जाएंगी। इनमें से 3500 किलोमीटर की सड़कों के टेंडर हो चुके हैं। इन सड़कों पर निर्माण कार्य दिसंबर अंत तक पूरा कर लिया जाएगा।

रणबीर गंगवा शनिवार को लोक निर्माण विश्राम गृह में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने बताया कि उपरोक्त के अलावा सेवा पखवाड़ा के दौरान 20 सितंबर को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और सभी मंत्री और विधायकों की अगुवाई में प्रदेश सरकार के विभिन्न विभागों की 75-75 सडक़ों पर कारपेटिंग का कार्य आरंभ होगा। इनमें एसएसवीपी, पीडब्ल्यूडी, मार्केटिंग बोर्ड, जिला परिषद, एचएसडीआईसी, नगर निगम इत्यादि विभागों की सडक़ें चिन्हित कर ली गई है। जिले के विभिन्न स्थानों पर हुए जलभराव संबंधी का प्रश्न का उत्तर देते हुए उन्होंने कहा कि घग्गर मल्टीपर्पज ड्रेन में 500 क्यूसेक के विपरीत 2000 क्यूसेक की क्षमता से पानी बहा। इस कारण यह ड्रेन बार-बार टूट रही है। इस ड्रेन के पानी को बालसमंद व अन्य क्षेत्रों में सिंचाई कार्यों में प्रयोग लाने के लिए 150 करोड़ रुपये की राशि आबंटित की है। मंत्री ने बताया कि सेवा पखवाड़ा के दौरान पीडब्ल्यूडी विभाग के सभी रेस्ट हाउस में एक पौधा मां के नाम अभियान के तहत पौधरोपण किया जाएगा। इस अवसर पर भाजपा की प्रदेश प्रवक्ता नेहा धवन, पूर्व चेयरमैन सतबीर वर्मा, रणधीर सिंह धीरू, रामदेव आर्य, अजय जांगड़ा, अभिषेक शर्मा सहित अन्य वरिष्ठ कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अत्याधुनिक तकनीकों से ठीक की जाएगी हिसार की दशकों पुरानी सीवरेज लाइन

एक सवाल के जवाब में कैबिनेट मंत्री ने बताया कि हिसार में बहुत से क्षेत्रों में सीवरेज लाइनें दशकों पुरानी हैं। इन सभी लाइनों को बरसात के उपरांत अत्याधुनिक तकनीकों से ठीक किया जाएगा। उन्होंने बताया कि सीवरेज प्रणाली की सफाई के लिए प्रदेश में अभी तक 6 सुपर सक्कर मशीनें थी, लेकिन हाल ही में 22 नई सुपर सक्कर मशीनों के ऑर्डर दे दिए गए हैं। इसके अतिरिक्त छोटी गलियों में सीवरेज प्रणाली को साफ करने वाली मशीनें भी मंगवाई गई हैं। इनके आने के उपरांत सीवरेज की समस्या का हल हो जाएगा। कैबिनेट मंत्री ने बताया कि अमृत योजना के तहत हिसार को 250 करोड़ रुपये मिले हैं। इस राशि से जल्द ही कार्य आरंभ करवाए जाएंगे।

नेक्सट जेनरेशन जीएसटी सुधारों से देश की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी

मंत्री रणबीर गंगवा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा लिए गए नेक्सट जेनरेशन जीएसटी संबंधी निर्णय का स्वागत करते हुए इसे ऐतिहासिक व दूरदर्शी कदम बताया। उन्होंने कहा कि इस निर्णय से कर व्यवस्था और अधिक सरल, पारदर्शी व जनता हितैषी बनेगी। इससे आम व्यापारियों, छोटे उद्योगपतियों और आम उपभोक्ताओं को राहत मिलेगी।

हिसार। जनता दरबार में लोगों की शिकायतें सुनते विधायक चंद्रप्रकाश।

लोगों की सुनीं शिकायतें

विधायक ने आदमपुर में लगाया जनता दरबार

- जलभराव से प्रभावित गांवों व किसानों के प्रति सरकार का उदासीन रवैया : चंद्रप्रकाश

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

आदमपुर से विधायक चंद्रप्रकाश ने आदमपुर के पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में जनता दरबार आयोजित करके हलकावासियों की समस्याएं सुनी। लोगों ने टूटी सडक़ों से संबंधित समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। इसके साथ ही बाधित बिजली आपूर्ति व दूषित पेयजल आपूर्ति से संबंधित शिकायतें भी सामने आई। चंद्रप्रकाश ने मौके पर ही संबंधित अधिकारियों से बातचीत करके समस्याओं के त्वरित निदान के निर्देश दिए। बहुत से लोगों ने विधायक से व्यक्तिगत समस्याएं भी साझा की। उन्होंने इन समस्याओं का भी उचित समाधान किया। जनता दरबार में विधायक चंद्रप्रकाश के समक्ष विभिन्न क्षेत्रों में भारी बारिश व ओवरफ्लो ड्रेन से जलभराव की समस्या भी रखी गई। चंद्रप्रकाश ने स्पष्ट किया कि वे लगातार जलभराव से प्रभावित गांवों व अन्य क्षेत्रों का दौरा करके हालात का जायजा ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि आदमपुर, नलवा व हिसार शहर के आसपास के गांवों के निवासी जलभराव की समस्या से निपटने के लिए अपने स्तर पर भरसक प्रयास कर रहे हैं। जल निकासी के लिए सरकार द्वारा दिए जा रहे संसाधन नाकाफी हैं और इससे ग्रामवासी काफी नाराज हैं।

पीड़ित किसानों को दिए जाएं प्रति एकड़ एक लाख रुपये

उन्होंने सरकार से अपील की है कि जलभराव से प्रभावित हर ग्राम पंचायत को 50 लाख रुपये प्रदान किए जाएं। इसके साथ ही फसलें बर्बाद होने से पीड़ित हर किसान को प्रति एकड़ कम से कम एक लाख रुपये मुआवजा तुरंत प्रभाव से जारी किया जाए।

आनंद स्कूल में मनाया हिंदी दिवस

- नन्हे-मुन्ने बच्चों से लेकर वरिष्ठ कक्षाओं तक के विद्यार्थियों ने विविध सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं

हरिभूमि न्यूज ⏭ हांसी

आनंद स्कूल फॉर एक्सीलेंस के प्रार्थना सभागार में शनिवार को हिंदी दिवस बड़े उत्साह और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। विद्यालय के चेयरमैन आनंद ने दीप प्रज्वलित कर समारोह का शुभारंभ किया। इस अवसर पर विद्यालय के नन्हे-मुन्ने बच्चों से लेकर वरिष्ठ कक्षाओं तक के विद्यार्थियों ने विविध सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं।

हांसी। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित करते स्कूल चेयरमैन आनंद यादव व अन्य। फोटो: हरिभूमि

बच्चों ने हिंदी भाषा के महत्तत को बताया

समारोह के अंतर्गत विशेष रूप से कविता प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों ने हिंदी भाषा की महत्ता, उसकी समृद्धि और गौरव को दर्शाती कविताएं प्रस्तुत की। प्रतियोगिता में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को मुख्य अतिथि आनंद यादव द्वारा प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। कार्यक्रम में विद्यालय के निदेशक साहिल यादव, प्रिंसिपल नितीश मिश्र, मंजुलता, स्वीटी और ममता ने अपने-अपने विचार व्यक्त करते हुए बच्चों को हिंदी दिवस की शुभकामनाएं दीं।

धोखाधड़ी में संलिप्त 25वां आरोपी गिरफ्तार

हांसी। थाना साइबर क्राइम हांसी पुलिस ने वरिष्ठ अधिवक्ता राजकुमार वत्स के साथ 1 करोड़ 33 लाख रुपये की धोखाधड़ी मामले में संलिप्त 25वें आरोपी जुगलान निवासी राहुल को गिरफ्तार किया है। एएसआई रामबिलास ने बताया कि पकड़े गए आरोपी राहुल ने अपने दोस्तों के साथ मिलकर वकील कॉलोनी निवासी राजकुमार वत्स के साथ 1 करोड़ 33 लाख 50 हजार रुपये धोखाधड़ी की थी। साइबर क्राइम पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से दो मोबाइल फोन बरामद कर कब्जा पुलिस में लेकर आरोपी को न्यायालय में पेश करके 3 दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है। रिमांड के दौरान आरोपी से गहनता से पूछताछ की जाएगी।

मोदी का आभार जताने के लिए सभा आज

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

मेयर प्रवीण पोपली ने कहा कि केंद्र सरकार ने बजट 2025-26 में आयकर में आमजन को 12 लाख रुपये तक की छूट देकर ऐतिहासिक कदम उठाया था। उसी श्रंखला को आगे बढ़ाते हुए अब जीएसटी दरों में भारी कटौती की गई है। मेयर पोपली शनिवार को भाजपा जिला कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष डॉ. आशा खेदड़ विशेष रूप से उपस्थित रहीं। मेयर ने कहा कि केंद्र सरकार ने जीएसटी दरों में व्यापक रियायत देकर न केवल व्यापारियों को, बल्कि आमजन को भी बड़ा लाभ पहुंचाया गया है।

जीएसटी में भारी छूट आमजन को सरकार का बड़ा उपहार

हिसार। भाजपा कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत करते मेयर प्रवीण पोपली, साथ हैं जिलाध्यक्ष आशा खेदड़ व अन्य। फोटो: हरिभूमि

जीएसटी पर सभा की जाएगी

मेयर ने बताया कि रविवार को अग्रसेन भवन में जीएसटी पर सभा का आयोजन होगा, जिसमें प्रदेश भाजपा अध्यक्ष मोहन लाल बड़ोली मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहेंगे। उन्होंने आह्वान किया कि भारी संख्या में पहुंचकर प्रधानमंत्री मोदी के प्रति आभार प्रकट करें। इस अवसर पर जिला महामंत्री आशीष जोशी, प्रवीण जैन, मीडिया प्रभारी सुरेश गोयल धूप वाला, जिला उपाध्यक्ष सतीश सुरलिया, जिला सचिव कृष्ण खटाना, मंडल अध्यक्ष दीपक अग्रवाल उपस्थित रहे।

एलएलबी कोर्स में दाखिले की अंतिम तिथि 15 सितंबर

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

डॉ. कृष्ण कुमार काजल।

- दाखिला प्रक्रिया की संपूर्ण जानकारी वेबसाइट पर उपलब्ध

सेठ छाजू राम विधि महाविद्यालय संबद्ध गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में एलएलबी तीन वर्षीय कोर्स में दाख़िले के लिए अन्तिम तिथि 15 सितंबर रहेगी। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. कृष्ण कुमार काजल ने बताया कि एलएलबी के कोर्स में दाखिला लेने के लिए ग्रेजुएशन व मास्टर्स में कम से कम 45 फीसद अंक जनरल कैटेगरी के लिए तथा आरक्षित श्रेणी एससी व एसटी के लिए 40 फीसद अंक होने चाहिए। न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता, दाखिला प्रक्रिया आदि से संबंधित संपूर्ण जानकारी सीआर लॉ कॉलेज की वेबसाइट पर उपलब्ध है। उन्होंने बताया कि सीआर लॉ कॉलेज की स्थापना वर्ष 2003 में एलएल बी. तीन वर्षीय कोर्स के लिए की थी। इसके बाद वर्ष 2009 में बीए एलएलबी पांच वर्षीय कोर्स तथा वर्ष 2020 में एलएलएम दो वर्षीय कोर्सिस शुरू किए गए।

कैरियर नियोजन पर दो दिवसीय कार्यशाला

- कैरियर नियोजन एवं क्षमता निर्माण पर की चर्चा

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

गुरु गोरखनाथ जी राजकीय महाविद्यालय की प्लेसमेंट इकाई द्वारा एनआईएसएम, सेबी के सहयोग से महाविद्यालय में 'कैरियर नियोजन एवं क्षमता निर्माण विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई।

प्लेसमेंट इकाई के संयोजक डॉ. सतीश कुमार ने बताया कि यह एक वित्तीय शिक्षा कार्यक्रम है और वाणिज्य संकाय के छात्रों के साथ साथ सभी विद्यार्थियों लिए उपयोगी है। उन्होंने महाविद्यालय में कार्यशाला आयोजन के लिए आए एनआईएसएम, सेबी के रिसोर्स पर्सन रामफल पूनियाँ और अन्य आगंतुक अतिथियों का स्वागत किया।

हिसार। कार्यशाला में उपस्थित अतिथिगण व विशेषज्ञ। फोटो: हरिभूमि

कार्यशाला में 150 विद्यार्थियों ने लिया भाग

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. विवेक कुमार सैनी ने कार्यशाला के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। कार्यशाला में 150 विद्यार्थियों और 40 फैकल्टी सदस्यों सहित कुल 190 प्रतिभागी उपस्थित थे। इस अवसर पर डॉ. मंजु चौधरी, डॉ. राजेंद्र सेवदा, प्लेसमेंट इकाई से डॉ. राजपाल, डॉ.अंजु, डॉ. भावना, डॉ. सोनू, डॉ. सरिता, डॉ. सविता, डॉ. मीना, डॉ. कुलदीप सहित कई सदस्य उपस्थित थे।

होली चाइल्ड स्कूल की हरिलक्ष्मी ने राज्य बॉक्सिंग प्रतियोगिता में जीता रजत

हिसार। होली चाइल्ड सीनियर सेकेंडरी स्कूल की कक्षा 8 की छात्रा हरिलक्ष्मी ने 58वीं हरियाणा राज्य बॉक्सिंग प्रतियोगिता में 68 किलोग्राम भार वर्ग में रजत पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। सेमीफाइनल मुकाबले में हरिलक्ष्मी ने फरीदाबाद की वंशिका को एकतरफा हराकर फाइनल में प्रवेश किया जहां उन्हें दूसरा स्थान प्राप्त होने पर रजत पदक से सम्मानित किया गया। विद्यालय के निदेशक राजपाल सिंह सिंधु और प्राचार्या अनिता पन्नू दलाल ने हरिलक्ष्मी को इस उपलब्धि पर बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि हरिलक्ष्मी की यह उपलब्धि न केवल विद्यालय के लिए गर्व की बात है, बल्कि यह सभी छात्राओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

रेलवे स्टेशन से नशा तस्कर गिरफ्तार

हिसार। हरियाणा स्टेट नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो की भिवानी यूनिट ने यहां के रेलवे स्टेशन से एक नशा तस्कर को गिरफ्तार करके उसके कब्जे से 7.86 ग्राम अवैध हेरोइन बरामद की है। एनसीबी भिवानी यूनिट के इंचार्ज निरीक्षक अमर सिंह ने बताया कि नशीले पदार्थों की रोकथाम के लिए उप निरीक्षक मक्खन सिंह व उनकी टीम हिसार रेलवे स्टेशन के पास मौजूद थी। इसी दौरान टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर रेलवे स्टेशन से एक संदिग्ध युवक को काबू किया। तलाशी लेने पर आरोपी के पास से 7.86 ग्राम अवैध हेरोइन बरामद हुई। गिरफ्तार आरोपी की पहचान चरखी दादरी के गांव समसपुर निवासी भूपेंद्र उर्फ सेठ के रूप में हुई है। आरोपी के खिलाफ जीआरपी थाना के एनडीपीएस अधिनियम के तहत केस दर्ज कर लिया गया है।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, 783, पी.एल.ए., नजदीक टाउन पार्क, हिसार
फोन : 7988727916, 9315429403, 9253681005

1449 वाहनों को चैक कर 123 वाहनों के किए चालान, 13 को किया इंपाउंड

- हांसी जिला पुलिस ने सीलिंग प्लान के तहत 19 जगहों पर नाकाबंदी करके जांचे वाहन

हांसी। हांसी जिला पुलिस द्वारा शुक्रवार शाम 8 से रात 10 बजे तक सीलिंग प्लान के तहत 19 स्थानों पर नाकाबंदी करके वाहनों की जांच की गई। इस दौरान पुलिस अधीक्षक अमित यशवर्धन ने स्वयं नाकों का दौरा कर वहां तैनात पुलिस कर्मियों को हर संदिग्ध वाहन की बारीकी से जांच करने तथा किसी प्रकार की कोई कमी पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जांच में किसी भी प्रकार की कोताही बर्दास्त नहीं कि जायेगी। उन्होंने कहा कि सीलिंग प्लान किसी भी आपात स्थिति से निपटने व अपराध को अंजाम देकर भागने वाले अपराधियों को पकड़ने व अपराधों की रोकथाम हेतु तुरंत कार्रवाई के लिए जिला पुलिस द्वारा किया जाता है। सीलिंग प्लान के दौरान नाकाबंदी करके 1449 वाहनों को चेक किया गया तथा 17 वाहन चालकों के ड्रिंक एंड ड्राइव सहित यातायात के नियमों के उल्लंघन करने वाले कुल 123 वाहनों के चालान किए गए। पुलिस ने इस दौरान बिना नंबर प्लेट के 26 वाहनों के चालान कर 13 वाहनों को इंपाउंड किया तथा 67 अन्य वाहनों के एमवी एक्ट के तहत चालान किए।

योजना की शुरुआत को लेकर निगमायुक्त ने की वार्डवासियों के साथ बैठक

वार्ड 14 को जीरो वेस्ट बनाने की दिशा में निगम ने बढ़ाया पहला कदम

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

हरियाणा शहर स्वच्छता अभियान के तहत हिसार नगर निगम ने एक नई और महत्वाकांक्षी पहल शुरू की है। इसके अंतर्गत शहर के वार्ड 14 को जीरो वेस्ट वार्ड के रूप में विकसित किया जाएगा। योजना की शुरुआत निगमायुक्त नीरज ने अधिकारियों के साथ वार्ड के एक पार्क में वार्डवासियों के साथ बैठक करके की। इस दौरान उन्होंने क्षेत्र के मार्केट एसोसिएशन, शिक्षण संस्थानों, धार्मिक संस्थाओं, पार्क समितियों, आरडब्ल्यूए, रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन तथा विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों और क्षेत्रवासियों के साथ बैठक की। निगमायुक्त ने स्पष्ट किया कि हरियाणा शहर स्वच्छता अभियान के तहत वार्ड 14 को जीरो वेस्ट बनाने के कार्य किए जाएंगे।

हिसार। बैठक में उपस्थित नगर निगमायुक्त नीरज व अन्य।

बनेगा आदर्श मॉडल

निगमायुक्त ने कहा कि जब वार्ड 14 को जीरो वेस्ट घोषित किया जाएगा तो यह पूरे शहर के लिए एक आदर्श मॉडल होगा। इसके बाद अन्य वार्डों को भी इसी दिशा में आगे बढ़ाया जाएगा। यह केवल सफाई का अभियान नहीं बल्कि जीवनशैली में बदलाव का आंदोलन है। निगमायुक्त नीरज ने अपील की कि वार्ड 14 के निवासी इस अभियान का हिस्सा बने और दूसरों को भी प्रेरित करे।

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक, रविवार 14 सितंबर 2025

विश्व में सर्वाधिक बोली जाने वाली तीसरी भाषा हिंदी की जड़ें प्राचीन भारतीय आर्य भाषा परिवार की है, जिसकी जननी संस्कृत है। संस्कृत, जिसे 'देववाणी' भी कहा जाता है। इसकी विशिष्टताओं ने हिंदी को आज विश्व के कोने-कोने तक पहुंच दिया है। अगर इसके प्रसार के लिए कुछ और प्रयास किए जाएं तो निस्संदेह इसका वर्चस्व और भी बढ़ेगा।

हिंदी दिवस विशेष

भारत की आत्मा है हिंदी

{ आवरण कथा / भूपेंद्र शर्मा }

आज हिंदी भाषा भारत तक सीमित नहीं है। यह विश्व भर में एक सशक्त पहचान बना चुकी है। दुनिया के कई देशों में लाखों लोगों द्वारा बोली जाती है। भारत की आधिकारिक भाषा के रूप में, हिंदी सीखने से भारतीय आबादी के एक बड़े हिस्से के साथ संवाद एवं जुड़ने का अवसर मिलता है। भारत की विविध संस्कृति, जीवंत अर्थव्यवस्था तथा समृद्ध विरासत हिंदी को यात्रा, कार्य एवं सांस्कृतिक खोज के लिए एक श्रेष्ठ माध्यम बनाती है। वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारत के बढ़ते प्रभाव के कारण हिंदी में कुशल पेशेवरों की मांग बढ़ रही है। कई बहुराष्ट्रीय कंपनियां, विशेष रूप से जिनके भारत में निर्माण, उत्पादन कार्य या ग्राहक हैं, उन कर्मचारियों को महत्व देती है, जो हिंदी में प्रभावी ढंग से संवाद कर सकते हैं। हिंदी सीखना करियर की संभावनाओं को बढ़ा सकता है, खासकर अंतरराष्ट्रीय व्यापार, पर्यटन, पत्रकारिता, अनुवाद एवं कूटनीतिक सेवाओं जैसे क्षेत्रों में।

क्षेत्रीय भाषाओं का प्रवेश द्वार

हिंदी का विकास कई चरणों में हुआ। अपभ्रंश से होते हुए, इसने अपनी वर्तमान पहचान बनाई। मध्यकाल में खड़ी बोली के रूप में इसने अपनी नींव रखी, जो आगे चलकर आधुनिक हिंदी का आधार बनी। हिंदी भारत में बोली जाने वाली विभिन्न क्षेत्रीय भाषाओं को समझने एवं सीखने के लिए एक प्रवेश द्वार की तरह है। बंगाली, मराठी, गुजराती एवं पंजाबी सहित कई भारतीय भाषाएं व्याकरण, शब्दावली तथा लिपि के मामले में हिंदी के साथ समानताएं साझा करती हैं।

फिल्म उद्योग तक पहुंच

भारतीय फिल्म उद्योग में प्रतिवर्ष बड़ी संख्या में फिल्मों का निर्माण होता है, जिन्हें भारत में ही नहीं, विश्व के अनेक देशों में देखा जाता है। हिंदी सिनेमा की विश्व में अद्भुत लोकप्रियता है। विदेशों में हिंदी के प्रसार में हिंदी फिल्मों का बड़ा योगदान है। हिंदी फिल्में, हिंदी गीत एवं टीवी शो की जीवंत दुनिया हिंदी सीखने वालों के लिए बड़ा सरल माध्यम है। वहीं इनके माध्यम से विश्वभर में फैले भारतीय प्रवासियों के साथ भारत एवं भारतीय संस्कृति के अटूट, मधुर संबंध स्थापित होते हैं। इसीलिए हिंदी को भारत की आत्मा कहते हैं।

विश्व में 61 करोड़ हिंदी भाषी

वर्ल्ड लैंग्वेज डेटाबेस के अनुसार, हिंदी भाषा वर्तमान समय में 61 करोड़ लोगों द्वारा बोली जाती है। विश्व हिंदी सचिवालय मॉरीशस में स्थित है। यह सचिवालय हिंदी भाषा के प्रचार-प्रसार के लिए 11 फरवरी 2008 से कार्यरत है। हिंदी भाषा को बढ़ावा देने के लिए समय-समय पर अखिल भारतीय भाषा साहित्य सम्मेलनों का आयोजन किया जाता है।

राजभाषा विभाग के प्रयास

सन 2019 से सभी 59 मंत्रालयों में हिंदी सलाहकार समितियों का गठन किया गया। अब तक कुल 528 नगर राजभाषा कार्यान्वयन समितियों का गठन भी किया जा चुका है। विदेशों में भी लंदन, सिंगापुर, फिजी, दुबई एवं पोर्ट-लुई में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समितियां बनाई गई हैं। भारत ने संयुक्त राष्ट्र में हिंदी भाषा के उपयोग को बढ़ावा देने की भी पहल की है। पहला अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन बनारस में 13-14 नवंबर, 2021 को तथा 14 सितंबर 2022 को सूरत में दूसरा सम्मेलन आयोजित किया गया। इस साल पुणे में तीसरा अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। विभाग ने कुल 90 हजार शब्द का एक 'ई-महाशब्दकोष' मोबाइल एप तथा लगभग 9 हजार वाक्य का 'ई-सरल' वाक्यकोष भी तैयार किया है।

हिंदी की विशिष्टताएं

देवनागरी लिपि: हिंदी देवनागरी लिपि में लिखी जाती है, जो देखने में मनमोहक और ध्वन्यात्मक रूप से सटीक है। इसमें 11 स्वर एवं 33 व्यंजन हैं, जिनमें प्रत्येक ध्वनि का अलग स्वर एवं उच्चारण है।

स्वर की लंबाई: हिंदी में कुछ स्वर ध्वनियों का उच्चारण विस्तारित अवधि के साथ किया जा सकता है, जिससे शब्दों का अर्थ बदल जाता है। उदाहरण के लिए, 'मा' का अर्थ 'मां' है, जबकि 'मान' का अर्थ 'सम्मान' है।

मानद रूप: हिंदी व्यक्तियों को सम्मानपूर्वक संबोधित करने के लिए मानद रूपों को शामिल करती है। बड़ों, सम्मानित व्यक्तियों या उच्च सामाजिक स्थिति वाले व्यक्तियों से बात करते समय सम्मानजनक सर्वनामों, क्रिया रूपों एवं वाक्य संरचनाओं का उपयोग भाषा के सांस्कृतिक प्रभाव को सम्मान एवं शिष्टाचार के साथ प्रदर्शित करता है।

लिंग वाली संज्ञा: हिंदी में संज्ञाओं के तीन लिंग हैं। पुल्लिंग, स्त्रीलिंग एवं नपुंसकलिंग। एक संज्ञा का लिंग अकसर विशेषणों, क्रियाओं तथा सर्वनामों के समझौते को निर्धारित करता है, जो इसके साथ उपयोग किए जाते हैं।

सर्वनाम का अंतर: हिंदी एकवचन के लिए औपचारिक एवं अनौपचारिक सर्वनामों के बीच अंतर करती है। औपचारिक सर्वनाम 'आप' का प्रयोग सम्मान दिखाने या उच्च पदस्थ व्यक्ति को संबोधित करने के लिए किया जाता है, जबकि अनौपचारिक सर्वनाम 'तुम' का प्रयोग समान सामाजिक स्थिति वाले व्यक्तियों के साथ किया जाता है।

जटिल क्रिया प्रणाली: हिंदी की क्रिया प्रणाली में विभिन्न क्रिया रूप एवं काल हैं। क्रियाओं का संयोजन तनाव, पहलू, मनोदशा एवं विषय के साथ समझौते जैसे कारकों से प्रभावित होता है, जिससे भाषा की क्रिया संरचना जटिल तथा अभिव्यंजक हो जाती है।

संस्कृत का प्रभाव: हिंदी पर संस्कृत का गहरा प्रभाव है। कई हिंदी शब्दों की उत्पत्ति संस्कृत से हुई है, जो शब्दावली को समृद्ध करती है तथा भारत की प्राचीन सांस्कृतिक एवं दार्शनिक परंपराओं के साथ गहरा संबंध प्रदान करती है।

ध्वनि विविधता: हिंदी में ध्वनियों की एक विस्तृत श्रृंखला है, जिसमें स्वर, व्यंजन एवं नासिक्य ध्वनियां हैं। इसकी ध्वन्यात्मक सूची विविध मधुर उच्चारण प्रवाहित करती है।

क्षेत्रीय विविधता: भारत के विभिन्न हिस्सों में हिंदी की विभिन्न क्षेत्रीय बोलियां तथा शैली है। प्रत्येक क्षेत्र की अपनी शब्दावली, उच्चारण एवं व्याकरणिक विविधताएं हैं, जो हिंदी भाषी जनमन के भीतर भाषाई विविधता को दर्शाती हैं।

अभी अधूरा है विकास

हिंदी अपनी वैश्विक पहचान रखती है, किंतु इसके विकास के लिए अभी भी बहुत कुछ किया जाना शेष है।

तकनीकी विकास: हिंदी में तकनीकी शब्दावली को अधिक विकसित करने की आवश्यकता है, ताकि विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं इंजीनियरिंग जैसे क्षेत्रों में इसका उपयोग बढ़ सके।

मानकीकरण एवं सरलता: बोल-चाल एवं लेखन में एकरूपता लाने के लिए मानकीकरण को बढ़ावा देना आवश्यक है।

सरकारी प्रोत्साहन: सरकार को हिंदी के उपयोग को सभी क्षेत्रों में बढ़ावा देना चाहिए, विशेषकर शिक्षा एवं प्रशासनिक कार्यों में।

वैश्विक मंचों पर उपयोग: अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं में हिंदी को आधिकारिक भाषा के रूप में मान्यता दिलाने के प्रयास होने चाहिए। *

हिंदी दिवस और संविधान में स्थान

हिंदी दिवस मनाने का इतिहास भारत के स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़ा है। 14 सितंबर 1949 को, भारतीय संविधान सभा ने हिंदी को भारत की आधिकारिक भाषा के रूप में अपनाया। यह निर्णय हिंदी को राष्ट्र की एकता के सूत्र के रूप में स्थापित करने के लिए लिया गया था। पहला हिंदी दिवस 1953 में मनाया गया। यह दिन हमें भाषा के महत्व और उसके संरक्षण की याद दिलाता है। भारतीय संविधान के भाग-17 में अनुच्छेद 343 से 351 तक राजभाषा संबंधी उपबंध हैं। अनुच्छेद 120 (संसद में प्रयोग की जाने वाली भाषा) भाग 17 में अनुच्छेद 348 के उपबंधों के अधीन रहते हुए, संसद में कार्य हिंदी में या अंग्रेजी में किया जाएगा। अनुच्छेद 343 (संघ की राजभाषा) संघ की राजभाषा हिंदी एवं लिपि देवनागरी होगी, संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग होने वाले अंकों का रूप भारतीय अंकों का अंतरराष्ट्रीय रूप होगा।

{ विचारणीय / लोकमित्र गौतम }

हिंदी को लेकर सहज नहीं युवा पीढ़ी

इसे विडंबना ही कहना चाहिए कि जिस हिंदी को बोलने, जिसमें मनोरंजन करने में युवा पीढ़ी खूब आनंद लेती है, उसे ही लिखने और पढ़ने में असहज रहती है। हालांकि इसके लिए सिर्फ वही नहीं जिम्मेदार है। ऐसे में इस समस्या के निराकरण के लिए परिवार, समाज से लेकर व्यवस्था तंत्र को भी विचार करना होगा।

भारत की कुल आबादी में से 65 फीसदी से ज्यादा युवा हैं, जिनकी उम्र 35 साल या इससे कम है। इनमें से 60 से 65 फीसदी युवा फर्राटे से हिंदी बोलते-समझते हैं। ये आमतौर पर हिंदी फिल्में भी देखते हैं और ओटीटी प्लेटफॉर्म पर भी हिंदी के कार्यक्रम चाव से देखते हैं। मगर इनकी एक ऐसी कमजोरी है, जिस पर आम लोगों का यकायक ध्यान नहीं जाता। इनमें से करीब आधे युवा ऐसे हैं, जो हिंदी बोलते हैं, समझते हैं, लेकिन प्रवीणता से हिंदी पढ़ और लिख नहीं पाते। कुछ पढ़ते भी हैं तो सहजता से शुद्ध-शुद्ध नहीं पढ़ पाते।

आधी युवा आबादी है असहज: देश में हिंदी बोलने वाले करीब आधे युवा हिंदी में कतई सहज नहीं है। ऊपर से देखने में यह कोई बहुत बड़ी समस्या नहीं लगती। यहां तक कि हिंदी भाषी मां-बाप को भी अपने हिंदी लिख और पढ़ न पाने में असहज बच्चों से किसी तरह की भावनात्मक परेशानी नहीं होती, लेकिन सच बात यह है कि हिंदी की सबसे कमजोर कड़ी यही युवा पीढ़ी है, जो ऊपर से तो हिंदी में बहुत सहज दिखती है, मगर भीतर से हिंदी को लेकर बिल्कुल असहज है। दरअसल, यही वह पीढ़ी है, जो अप्रत्यक्ष रूप में हिंदी को मौखिक भाषा तक सीमित करने में लगी है।

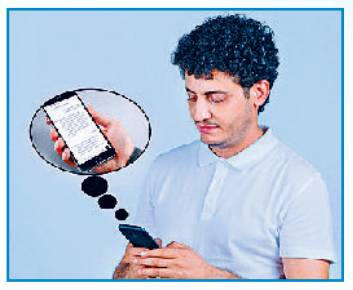

शैक्षिक-सांस्कृतिक विडंबना: यह सचमुच हिंदी के साथ बड़ी भाषाई विडंबना है, क्योंकि हिंदी बोलने वाले, हिंदी पढ़ने वाले, हिंदी में मनोरंजन करने वाले युवा बाहरी तौर पर यह प्रभाव देते हैं कि जैसे वो हिंदी सेवी हों। पर वास्तव में वो हिंदी सेवी नहीं होते। दक्षिण भारत में खासकर बेंगलुरु, चेन्नई में जिन उत्तर भारतीय युवाओं की पहचान हिंदीभाषी होने से है, वास्तव में ये हिंदीभाषी समझे जाने वाली युवा पीढ़ी का बड़ा हिस्सा भी उन्हीं की तरह हिंदी में असहज है। भले यह बाहरी तौर पर हिंदी वाले लगते हों, पर सचमुच में ये हिंदी वाले नहीं हैं, हिंदी को इनसे फायदा कम, नुकसान ज्यादा होता है, क्योंकि हिंदी बोलना, हिंदी में बातें करना, हिंदी में मनोरंजन करना, लेकिन हिंदी लिख और पढ़ न पाना या इसमें सहज न हो पाना, सिर्फ भाषाई समस्या नहीं है। यह सांस्कृतिक और शैक्षिक त्रासदी भी है।

नहीं है हिंदी की गहरी समझ: दक्षिण या पश्चिम भारत के बड़े शहरों में ही नहीं बल्कि उत्तर भारत के भी बड़े शहरों में ऐसे युवाओं की भरमार है। दिल्ली में भी 25 से 30 फीसदी ऐसे युवा हैं, जो बस हिंदी में बातें करते हैं, गाने सुनते हैं, वेब सीरीज देखते हैं, लेकिन सौ शब्दों का आवेदनपत्र हिंदी में नहीं लिख सकते। घंटों हिंदी में बहस करने वाले उस विषय पर एक पेज भी हिंदी में नहीं लिख पाते। यह इसलिए बड़ी समस्या है कि इससे हिंदी की असली समस्या पर पर्दा पड़ा रहता है। यह भ्रम बना रहता है कि हिंदी, बोलने, जानने और समझने वाले बहुत बड़ी तादाद में लोग हैं। लेकिन यह ऐसी ढोल के भीतर पोल वाली खोखली पीढ़ी है, जो न तो हिंदी का साहित्य जानती है, न कविता जानती है, न हिंदी के अखबार पढ़ती है और न ही हिंदी के ऐतिहासिक दस्तावेजों से ही इसका कोई परिचय है। ऐसे में भला यह पीढ़ी हिंदी का कैसे भला करेगी? यह तो उल्टा हिंदी में रह कर ही हिंदी को कमजोर करती है।

पहचान होती है मातृभाषा: अगर आप ऐसी पृष्ठभूमि से आते हैं कि आपके घर की भाषा यानी मातृभाषा हिंदी है और पढ़ाई और कामकाज की भाषा अंग्रेजी है, तो भले रोज के कामकाजी घंटों में आपको यह खुशफहमी रहती हो कि अपनी कमजोर हिंदी को लेकर आपमें किसी तरह की असहजता नहीं है, लेकिन वास्तविकता यह होती है कि अगर हम अपनी मातृभाषा को पढ़ने और लिखने में सहज नहीं होते तो हमारे अंदर एक स्वतः जन्मी हीन भावना हर समय रहती है। जो लोग अपनी मातृभाषा को सही से लिखना, पढ़ना नहीं जानते, उन्हें अपनी दुनिया के सांस्कृतिक और सामाजिक संदर्भों का भी पता नहीं होता। दिन रात अंग्रेजी पढ़ने वाले ज्यादातर भारतीय अंग्रेजी के मुहावरों, उसकी लोकोक्तियों में मौजूद गहरे सांस्कृतिक संदर्भों से कभी नहीं जुड़ पाते, इसलिए बहुत सी बातों को वो कभी भी गहराई से समझ नहीं पाते। हमें लिपि की कठिनाई का बहाना बनाकर अपनी भाषा से नहीं कटना चाहिए। एक बार अगर हम अपनी भाषा से कट गए, तो हम अपनी स्मृतियों से, पीढ़ीगत धरोहरों से और साहित्यिक विरासत से भी कट जाते हैं।

डिजिटल जीवनशैली का प्रभाव: इसमें आज की डिजिटल लाइफस्टाइल और बाहर के देशों से आने वाली तकनीकी का भी हाथ है। लेकिन इस आरोप से तो हम अपनी भाषा के साथ लगाव न रख पाने को सही नहीं ठहराते। माना कि डिजिटल युग में मोबाइल और सोशल मीडिया में रोमन लिपि में लिखे, पढ़े जाने का चलन है, जिससे देवनागरी की प्रैक्टिस खत्म होती है। लेकिन यह यूं ही स्वतः नहीं पैदा हो गया। इस स्थिति के पैदा होने में बकायदा सांस्कृतिक संदर्भों का योगदान है। आज जिस तकनीक का आप अपने जीवन में इस्तेमाल कर रहे हैं, वह किसी हिंदी भाषी ने नहीं विकसित की, वह इस तकनीक को हिंदी के अनुकूल क्यों विकसित करता? अतः हिंदी के साथ अपने सहज और आत्मीय रिश्ते आपको खुद ही रखने है, इसके लिए किसी तकनीकी कमी या उसके संकट को बहाना नहीं बना सकते। *

{ व्यंग्य / सूर्य कुमार पांडेय }

हिंदी से हमें आशा है। हिंदी हमारी राजभाषा है। इसके स्मरण मात्र से पुलकित हो उठता हमारा अंग-अंग है। हिंदी हमारी मदर टंग है। मैं कहां तक करूं हिंदी की महिमा का बखान? हिंदी है सूर, तुलसी, मीरा, रसखान। इसीलिए हम इसकी पूजा करते हैं।

हिंदी हमारी मदर टंग है

मुझे हिंदी दिवस के एक कार्यक्रम में जाना पड़ा। मैं जैसे ही माइक के सामने हुआ खड़ा, आयोजक ने कहा, 'आज आपको हिंदी पर एक कविता जरूर सुनानी है।'

मैंने कहा, 'तो सुनिए, जो हिंदी की कहानी है। हिंदी समस्त भारतीय भाषाओं की रानी है। हिंदी का बड़ा सम्मान है। यह हमारी आन-बान-शान है। इस पर हमें गर्व है, दर्प है, अभिमान है। क्योंकि हिंदी महान है।

हिंदी से हमें आशा है। हिंदी हमारी राजभाषा है। इसके स्मरण मात्र से पुलकित हो उठता हमारा अंग-अंग है। हिंदी हमारी मदर टंग है। मैं कहां तक करूं हिंदी की महिमा का बखान? हिंदी है सूर, तुलसी, मीरा, रसखान। इसीलिए हम इसकी पूजा करते हैं। वर्ष भर पूजाघरों में मूर्तिवत सजाकर-संवार कर धरते हैं। इस भाषा में नहीं है कोई खोट। इसे साल के बाकी दिनों में तलाशो तो हिंदी वैसे ही मिला करती है, जैसे किसी माफिया के पूजाघर में रखे हुए नंबर दो के करेंसी नोट।

हिंदी हमारी अभिलाषा है। यह हमारी राजभाषा है। इसलिए इसकी पूजा करना हमारी मजबूरी है। जैसे आज की सियासत में अशालीन होना जरूरी है।

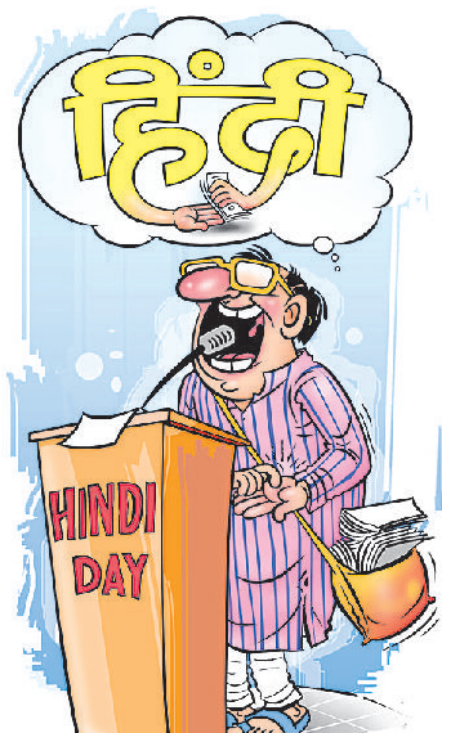

हिंदी का बड़ा महत्व है। हिंदी से हमें ममत्व है। हिंदी हमारे लिए वैसे ही है, जैसे गांव वालों के लिए मेला, जैसे मजदूरों के लिए ठेला और रैली में रेला। हिंदी हमारी शोभा है, हमारा अलंकार है। हिंदी हमारा अंतिम प्यार है। हिंदी का नाम लेते ही हमारे अधरों पर फूल खिलते हैं। हिंदी हमारे लिए इसलिए भी प्यारी है

क्योंकि हिंदी में मांगों तो वोट भी आसानी से मिलते हैं। इसीलिए तो हर राजनेता हिंदी के साथ दिखता है। अहिंदी भाषी सियासातदान भी हिंदी सीखता है।

हिंदी पर अब और कितना सुनाऊं मेरे भाई? हिंदी हमारे भाल की बिंदी है, और लोग हैं कि इतनी-सी बात समझ पाते नहीं कि मर्द बिंदी लगाते नहीं। तो आधी आबादी को छूट, बच गई आधी तो उसको भी है आजादी कि फैशन से फुर्सत हो तो बिंदी लगाएं। इस विदेशी कल्चर की क्यारी में हम कैसे हिंदी का प्लांट लगाएं? कहिए, आयोजक जी, अभी भी आपका मन नहीं भरा हो तो हम हिंदी पर और भी सुनाएं।'

आयोजक बोला, 'अब आप कृपापूर्वक जाएं और नेक्स्ट ईयर अगेन हिंदी पर ऐसी ही एक नई कविता लिखकर अवश्य लाएं।' *

इंजेक्शन की नवीन तकनीक से स्पाइन रोगों का उपचार

सर्जरी के बिना ही सिर्फ इंजेक्शन तकनीक के जरिये स्पाइन (रीढ़) रोगों का बेहतर और विश्वसनीय उपचार विश्वविख्यात डॉ. प्रमोद पहारिया द्वारा ग्वालियर में हो रहा है। आईये जानते हैं इस तकनीक के असाधारण लाभ–

मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश ने डॉ. प्रमोद पहारिया को प्राईड ऑफ एम.पी. अवार्ड दिया।

इस ट्रीटमेंट की कितनी बार आवश्यकता होती है?
सिर्फ एक ही बार पर्याप्त है।

सर्जरी की अपेक्षा इस तकनीक के क्या फायदे हैं?
सर्जरी के दौरान पैरालिसिस, पैलाप्लेजिया, ब्लैडर एवं बोवेल के कंट्रोल में क्षति, पैरों में कमजोरी, इंफेक्शन, इंप्लांट फैलियर जैसे जो कॉम्पिलकेशन देखने को मिलते हैं, वैसा इसमें खतरा नहीं है।

किन मरीजों का इलाज इस तकनीक से संभव है?
डिस्क प्रोलेप्स जैसे L4-L5, L5-S1, साइटिका, लंबर या सर्वाइकल रेडीक्युलोपैथी, डिजरनेरेटिव डिस्क, फैसिट जॉइन्ट सिंड्रोम, माइलोपैथी, लंबर कैनाल स्टेनोसिस, स्पॉन्डिलाइटिस आदि में कारगर है।

जो रोगी ऑपरेशन करवा चुके हैं उसमें भी यह कारगर है ?
यदि ऑपरेशन के बाद दबाव बना रहता या दोबारा दबाव आ जाता है तो उसमें भी यह तकनीकी कारगर है।

किस उम्र के लिये यह चिकित्सा है?
15 से 85 वर्ष के मरीजों के लिये।

एक डिस्क लेवल के ट्रीटमेंट में कितना खर्च आता है?
स्पाइन सर्जरी में जहां 3 लाख तक का खर्चा आता है वहीं यह उपचार मात्र 20000 तक में हो जाता है। विदेशों में इसका खर्च 50 गुना तक है।

कितने समय में रोगी घर जा सकता है?
एक घण्टे बाद ही घर जा सकता है। जबकि सर्जरी में 3 माह तक रोगी को अपने काम से अलग रहकर आर्थिक क्षति उठाना पड़ती है।

इस ट्रीटमेंट की सफलता की दर कितनी है?
90 से 95% सफल है। अब तक लगभग 7,500 मरीज हमेशा के लिए ठीक हो चुके हैं। यह इंजेक्शन प्रॉब्लम साइट में लगाया जाता है।

इस ट्रीटमेंट का असर कब तक रहता है?
इसमें जड़ से इलाज होता है।

क्या यह स्टेरॉइड इंजेक्शन है?
नहीं, यह एक भ्रम है। यह एक सेफ अमेरिकन प्रोसीजर है, जो एक विशेष मशीन की निगरानी में किया जाता है।

NBC®

डॉ. प्रमोद पहारिया
स्पाइन सर्जन
MBBS, D.Ortho, DNB, M.Ch. (Ortho)
पूर्व सर्जन– सर गंगाराम हॉस्पिटल एवं इंडियन स्पाइनल इंज्यूरी सेन्टर, नई दिल्ली
देहली हॉस्पीटल, ओल्ड श्री टॉकीज, बारादरी, मुरार, ग्वालियर (म.प्र.)
समय : दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक
व्हाट्सएप पर रिपोर्ट भेजकर ही संपर्क करें
सम्पर्क – 7354858466 | www.nonsurgicalspinecentre.in

{ लघुकथा / शीला श्रीवास्तव }

हिंदी बनाम इंग्लिश

रिया बहुत देर से अपने कमरे में चहलकदमी कर रही थी। नमिता ने पूछा, 'क्या बात है बेटी, क्यों परेशान हो?'

'मेरे स्कूल में पैरेंट्स मीटिंग है, और पापा घर पर नहीं हैं।' रिया खीझे स्वर में अपनी मम्मी से बोली।

'अरे तो क्या हुआ? मैं हूं ना। मैं चलती हूं पैरेंट्स मीटिंग में।' मां बोलीं।

'आप तो रहने ही दें। आपको इंग्लिश बोलना कहां आती है? आप आएंगी तो मेरा स्कूल में मजाक ही बनेगा।' रिया का जवाब सुनकर मां स्तब्ध रह गई। इस बात के लिए वह अकसर अपने पति से भी खरी-खोटी सुनती थी, आज बेटी ने भी सुना दिया। कुछ दिनों बाद स्कूल में हिंदी दिवस के अवसर पर एक प्रतियोगिता का आयोजन होने वाला था, जिसका शीर्षक था, 'हिंदी बनाम इंग्लिश।' रिया जानती थी, मम्मी की हिंदी पर बहुत अच्छी पकड़ है। उसने पहले मम्मी से अपने पिछले बर्ताव के लिए मांफी मांगी फिर बोली, 'मम्मी, प्लीज आप मेरे लिए एक स्पीच लिख कर दे दीजिए।' मां पूरे मनोयोग से स्पीच लिखने में जुट गई। उसकी मेहनत रंग लाई। रिया को प्रथम पुरस्कार मिला। स्कूल से आते ही रिया अपनी मम्मी के गले लग गई, बोली, 'आपके लिखे स्पीच ने आज मुझे स्कूल में फेमस कर दिया। यूं आर ग्रेट मम्मी! यह पुरस्कार मैं आपको समर्पित करती हूं।'

अपनी बेटी की नजरों में अपने लिए सम्मान देख मां की आंखें खुशी से छलक आईं। *

स्पेशलः इंजीनियर्स डे, 15 सितंबर

पिछली सदी में हुए भारत के महान सिविल इंजीनियर एम. विश्वेश्वरैया की जयंती को इंजीनियर्स डे के रूप में मनाते हैं। इस अवसर पर हम आपको बता रहे हैं देश के अलग-अलग इलाकों में स्थित कुछ ऐसे निर्माणों के बारे में, जो इंजीनियरिंग की शानदार मिसाल पेश करते हैं। इनकी विशेषताओं के बारे में जानकर आप अचरज किए बिना नहीं रह पाएंगे।

देश में कई जगह मौजूद हैं इंजीनियरिंग के गौरवशाली प्रतीक

चिनाब पुल जम्मू-कश्मीर के रियासी में

बांद्रा-वर्ली सी लिंक मुंबई में

बेमिसाल

शिखर चंद जैन

अपने देश के अलग-अलग क्षेत्रों में निर्मित किए गए इंजीनियरिंग के ये नायाब नमूने हर किसी को हैरान कर देते हैं। ये गौरवशाली प्रतीक भारतीय इंजीनियरिंग की नई प्रगति का प्रतिनिधित्व करते हैं।

चिनाब रेलवे ब्रिज

जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में स्थित यह विश्व का सबसे ऊंचा रेलवे आर्च ब्रिज है। यह 359 मीटर ऊंचा है। अनूठा चिनाब ब्रिज पेरिस के एफिल टॉवर से भी 35 मीटर ऊंचा है। इसका निर्माण कोंकण रेलवे कॉर्पोरेशन और इंजीनियरिंग संस्थान आईआईएससी बेंगलुरु द्वारा किया गया है। आईआईटी दिल्ली और आईआईटी रुड़की ने इसकी भूकंप सहनशीलता का विश्लेषण किया, जबकि रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने इसके विस्फोट-प्रतिरोधी होने की पुष्टि की।

यह 8 तीव्रता तक के भूकंप के झटके, 40 टन टीएनटी तक का विस्फोट, -20 डिग्री सेल्सियस तक तापमान और 266 किमी. प्रति घंटा की गति वाली आंधी को सहन करने की क्षमता रखता है। दुनिया का सबसे ऊंचा रेलवे पुल माना जाने वाला चिनाब पुल, जम्मू और कश्मीर के रियासी जिले में बक्कल और कौरी के बीच स्थित है। यह उधमपुर, श्रीनगर, बारामुला रेलवे लिंक का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जिसका उद्देश्य जम्मू और कश्मीर को शेष भारत से जोड़ना है। इसके कारण क्षेत्र में कनेक्टिविटी काफी सुविधाजनक हो गई है।

स्टेच्यू ऑफ इक्वेलिटी

हैदराबाद (तेलंगाना) में स्थित यह विशाल प्रतिमा 11वीं शताब्दी के वैष्णव संत श्री रामानुजाचार्य की है। 5 फरवरी 2019 को, भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद

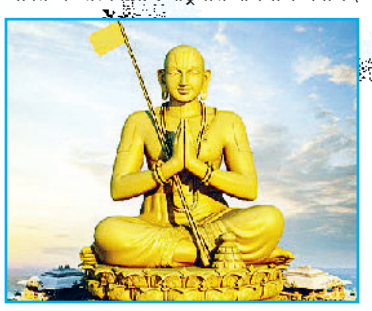

ने इस प्रतिमा का अनावरण किया। यह प्रतिमा समानता, न्याय और करुणा के उस दृष्टिकोण का प्रतीक है, जिसका उपदेश श्री रामानुजाचार्य ने मानवता को दिया था। स्टेच्यू ऑफ इक्वेलिटी की ऊंचाई 216 फीट है, जो संयुक्त राज्य अमेरिका में स्थित स्टेच्यू ऑफ लिबर्टी के बाद दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी प्रतिमा है। यह मूर्ति एक विशेष कांस्य मिश्र धातु से बनी है, जिसे पंच धातु कहा जाता है। इसमें श्री रामानुजाचार्य को बैठी हुई मुद्रा, कमल मुद्रा, पद्मासन और पारंपरिक मुद्रा में दर्शाया गया है, जो शांति और ध्यान दोनों का प्रतीक माना जाता है। यह प्रतिमा 54 फुट ऊंचे चबूतरे पर स्थापित है, जिस पर संग्रहालय और अनुसंधान केंद्र स्थित हैं। यह चबूतरा रामानुजाचार्य के संदेश के स्तंभों और आधुनिक विश्व में उनकी प्रासंगिकता का प्रतीक है। यह समाज में समानता और देश में एकता का प्रतीक भी है। इसके चारों ओर एक मंदिर परिसर और आगंतुकों के लिए एक उच्च-तकनीकी केंद्र है। यह प्रतिमा और परिसर इंजीनियरिंग के अद्भुत कौशल को प्रदर्शित करता है।

बांद्रा-वर्ली सी लिंक

मुंबई में रहने वाले बहुत से निवासी बांद्रा-वर्ली सी लिंक के जरिए यात्रा करते हैं। यह शानदार केबल-स्टेड ब्रिज भारत की आधुनिक इंजीनियरिंग विशेषज्ञता का एक अनुपम उदाहरण है। 5.6 किलोमीटर लंबा यह पुल बांद्रा और वर्ली के व्यस्त उपनगरों को जोड़ता है, जिससे शहर की भीड़-भाड़ वाली सड़कों पर सफर का समय कम हो जाता है। केबलों को थामे रखने वाले विशाल खंभे समुद्र तल से 128 मीटर ऊपर हैं। 66 फीट चौड़े इस ब्रिज पर आठ लेन में आवागमन होता है। वर्ष 2000 में इसका निर्माण शुरू हुआ और वर्ष 2010 में यह आम जनता के लिए खोल दिया गया।

पीर पंजाल अटल रेलवे सुरंग

वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स द्वारा '10,000 फीट से ऊपर दुनिया की सबसे लंबी राजमार्ग सुरंग' के रूप में दर्ज, अटल सुरंग हिमाचल प्रदेश में मनाली-लेह राजमार्ग पर रोहतांग दर्रे के नीचे स्थित है। चुनौतीपूर्ण भू-भाग और जमा देने वाले तापमान में निर्मित, 9.02 किलोमीटर लंबी इस सुरंग को रोहतांग सुरंग के नाम से भी जाना जाता है। इसका निर्माण सर्दियों के महीनों में राजमार्ग के बंद होने की समस्या को दूर करने के लिए किया गया है, जिससे लाहौल और स्पीति अलग-थलग पड़ जाते थे। सुरंग के निर्माण से मनाली-केलांग मार्ग की दूरी 46 किलोमीटर कम हो गई है, जिससे इस दूरी की यात्रा का समय लगभग चार से पांच

घंटे कम हो गया है। हिमालय में पीर पंजाल पर्वतमाला की चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों को देखते हुए, इस सुरंग के निर्माण के लिए उत्कृष्ट तकनीकी और इंजीनियरिंग कौशल का उपयोग किया गया। यह प्रभावशाली परियोजना आधुनिक सिविल इंजीनियरिंग में भारत की विशेषज्ञता का गौरव है और भारत के सर्वश्रेष्ठ सिविल इंजीनियरिंग चमत्कारों में से एक है। *

धीरूभाई अंबानी इंटरनेशनल स्कूल

मुंबई, महाराष्ट्र में स्थित यह एक प्रमुख अंतरराष्ट्रीय स्कूल है। यहां वर्षाजल का संचयन और ऊर्जा संरक्षण सहित समकालीन वास्तुकला सुविधाएं मौजूद हैं। डिजाइन से संबंधित आधुनिक विशेषताओं के लिए इसे सर्वश्रेष्ठ स्कूलों में से एक माना जाता है क्योंकि यह स्थिरता के बारे में बहुत कुछ कहता है। स्कूल ने हाल ही में अत्याधुनिक सुविधाओं को शामिल किया है, जिसमें सौर पैनल और जल पुनर्चक्रण प्रणालियों सहित एडवांस्ड ग्रीन टेक्नोलॉजी का उपयोग किया गया है। अत्याधुनिक कक्षाएं और इंटरेक्टिव शिक्षण वातावरण एक सुव्यवस्थित परिसर में जोड़े गए हैं, जो पर्यावरणीय जिम्मेदारी के साथ शिक्षा में उत्कृष्टता पर जोर देते हैं। इंजीनियर्स के योगदान से ही इसका निर्माण संभव हो पाया है।

तेलंगाना राज्य का प्रसिद्ध लोक-महोत्सव बतकम्मा, महिलाओं के सम्मान और प्रकृति से जुड़ाव का प्रतीक पर्व है। भाद्रपद अमावस्या से शुरू होकर दुर्गाष्टमी तक नौ दिनों तक मनाए जाने वाले इस उत्सव के दौरान कला, संस्कृति और प्रकृति के आपसी जुड़ाव की निराली छटा दिखती है।

स्त्री सम्मान-प्रकृति प्रेम का प्रतीक लोक-महोत्सव बतकम्मा

सांस्कृतिक पर्व

सरिता सुराणा

हमारे देश में वर्ष भर त्योहारों का मेला लगा रहता है। सभी क्षेत्र, जाति और धर्म के लोग उत्साह-उमंग से विभिन्न पर्व मनाते हैं। लेकिन अलग-अलग राज्यों में भी अपने-अपने कुछ विशेष त्योहार मनाए जाते हैं। उन्ही में से एक है बतकम्मा पर्व। इसे तेलंगाना राज्य की महिलाएं मनाती हैं।

वातावरण में लहराती हैं स्वर लहरियां

छिन्निमा बतकम्मा, छिन्नारक्का बतकम्मा,
दादी मां बतकम्मा, दामेरमुतक्कल बतकम्मा।

ऐसे गीतों की मधुर स्वर लहरियां जब वातावरण में गूंजने लगती हैं तो समझ आ जाता है कि बतकम्मा पर्व आ गया है और संपूर्ण तेलंगाना में मातृशक्ति के प्रति सम्मान और प्रकृति प्रेम का सैलाब उमड़ रहा है।

इस पर्व में एक प्रतीकात्मक पुष्पों की प्रतिमा बनाई जाती है, जिसे बनाने के लिए कई रंगों के फूलों का उपयोग किया जाता है। इसलिए इसे रंगों का त्योहार भी माना जाता है। पूरे तेलंगाना में यह बतकम्मा पर्व नौ दिनों तक मनाया जाता है। इसमें बहुत सुंदर तरीके से फूलों से अलग-अलग आकृतियां बनाई जाती हैं, इसमें प्रयोग किए जाने वाले ज्यादातर फूल आयुर्वेदिक दृष्टि से भी उपयोगी होते हैं। इसमें फूलों से सात परतों से मंदिर के गोपुरम जैसी आकृति बनाई जाती है। तेलुगु भाषा में बतकम्मा का मतलब होता है, देवी मां जिंदा हैं। इस दिन बतकम्मा को महागौरी के रूप में पूजा जाता है, यह पर्व स्त्रियों के सम्मान के रूप में मनाया जाता है।

कब मनाया जाता है: हिंदू पंचांग के अनुसार यह पर्व श्राद्ध पक्ष, भादो की अमावस्या, जिसे महालय अमावस्या भी कहते हैं, के दिन शुरू होता है और नवरात्र की अष्टमी के दिन खत्म होता है। ग्रेगोरियन कैलेंडर के अनुसार यह सितंबर-अक्टूबर महीने में मनाया जाता है। इस वर्ष यह पर्व 21 से 30 सितंबर तक मनाया जाएगा। यह मानसून के अंत में शुरू होकर शीत ऋतु के प्रारंभ तक मनाया जाता है।

ऐसे मनाते हैं पर्व: इस पर्व में फूलों से एक बड़े पर्वत जैसी आकृति बनाई जाती है। इसके सबसे ऊपरी भाग में हल्दी से गौरम्मा बनाकर उसे रखा जाता है। इस दौरान नाच-गाने का आयोजन किया जाता है। बतकम्मा का नाम बृहदाम्मा से ही उत्पन्न हुआ है। माना जाता है कि भगवान शिव-पार्वती को प्रसन्न करने के लिए यह त्योहार 1000 साल से उसी इलाके (वर्तमान तेलंगाना) में बड़ी धूमधाम से मनाया जा रहा है।

जताते हैं प्रकृति के प्रति आभार: वर्षा ऋतु में सभी जगह पानी का प्रवाह होता है। नदी, तालाब एवं कुएं पानी से भर जाते हैं। उसके बाद धरती पर फूलों के रूप में पर्यावरण में बहार आ जाती है। इसी कारण प्रकृति का धन्यवाद देने के लिए तरह-तरह के फूलों के साथ इस पर्व को मनाया जाता है। इस त्योहार को मनाने के लिए नव विवाहिताएं अपने मायके भी आती हैं। मान्यता है कि उनके जीवन में परिवर्तन लाने के लिए यह प्रथा शुरू की गई थी।

पर्व के शुरुआती पांच दिनों में महिलाएं अपने घर का आंगन स्वच्छ करती हैं और उसको गोबर से लीपा जाता है। सुबह जल्दी उठ कर उस आंगन में सुंदर-सुंदर मुग्गु बनाती हैं। कई जगह पर ऐप्पन से चौक बनाया जाता है, जिसमें सुंदर कलाकृति बनाई जाती है। चावल के आटे से बनी रंगोली का भी बहुत महत्त्व है। इस उत्सव में घर के पुरुष बाहर से नाना प्रकार के फूल एकत्र करते हैं, जिसमें सलोसिया, सेन्ना, मेरीगोल्ड, कमल, ककुर्बिता, कुकुमिस और बहुत से अन्य फूलों को एकत्रित किया जाता है। फूलों की तरह-तरह की परतें बनाई जाती हैं, उनके नीचे फूलों की पत्तियों से सजाया जाता है, इसे थंबलम के नाम से जाना जाता है। नौ दिन तक हर शाम महिलाएं और लड़कियां एकत्रित होकर नाचती, गाती हैं, ढोल बजाए जाते हैं। सब अपने-अपने बतकम्मा को लेकर आती हैं। इस दौरान महिलाएं पारंपरिक साड़ी, गहने पहनती हैं और लड़कियां लहंगा चोली पहनती हैं। सभी महिलाएं बतकम्मा के चारों ओर गोला बनाकर क्षेत्रीय भाषा में गीत गाती हैं। महिलाएं अपने परिवार की सुख-समृद्धि और खुशहाली के लिए माता पार्वती से प्रार्थना करती हैं। अष्टमी पूजा के बाद बतकम्मा को तालाब के पानी में विसर्जित कर दिया जाता है। *

किसी भी ग्रह से टूटकर पृथ्वी पर गिरे उल्कापिंड उस ग्रह के इतिहास और उसकी संरचना को समझने में मदद करते हैं। इसका उपयोग गहनों एवं सजावटी वस्तुओं में भी किया जाता है। यही वजह है कि ग्रहों के इन टुकड़ों की कीमत बहुत अधिक होती है। जानिए इस बारे में विस्तार से।

महत्वपूर्ण और कीमती होते हैं ग्रहों से टूटकर गिरे उल्कापिंड

रोचक

अंजू जैन

हाल ही में मंगल ग्रह से आए एक उल्कापिंड, NWA 16788, की न्यूयॉर्क में 'गीक वीक 2025' नीलामी हुई है। यह उल्कापिंड पृथ्वी पर पाया गया अब तक का सबसे बड़ा मंगल ग्रह का टुकड़ा माना जाता है, जिसका वजन 24.5 किलोग्राम है। इसकी अनुमानित कीमत 15 से 30 करोड़ रुपए (लगभग 1.8 से 3.6 मिलियन अमेरिकी डॉलर) के बीच है।

क्या है NWA 16788: यह एक शर्गोटाइट उल्कापिंड है, जो मंगल ग्रह की भूगर्भीय संरचना के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी देता है। यह सहारा रेगिस्तान में पाया गया था और मंगल ग्रह की सतह से उत्पन्न हुआ माना जाता है। इसकी सतह पर लाल-भूरी फ्यूजन क्रस्ट है, जो अंतरिक्ष में इसकी यात्रा के दौरान उच्च तापमान के कारण बनी। यह मंगल ग्रह की मिट्टी से बना है और इसकी उम्र लगभग 74.2 करोड़ साल पुरानी बताई जाती है।

वैज्ञानिक महत्व: यह उल्कापिंड मंगल ग्रह के इतिहास और संरचना को समझने में मदद करता है। वैज्ञानिकों का मानना है कि यह उस समय के मंगल ग्रह की सतह का हिस्सा हो सकता है, जब वहां पानी मौजूद था।

मूल्य और विशेषता: इसकी कीमत 15 से 30 करोड़ रुपए के बीच अनुमानित है, जो इसे अब तक के सबसे महंगे उल्कापिंडों में से एक बनाता है।

क्यों होते हैं इतने महंगे: ग्रहों या उल्काओं से टूट कर पृथ्वी पर गिरे टुकड़े, जिन्हें उल्कापिंड कहा जाता है, कई कारणों से महंगे होते हैं। इनमें शामिल हैं-

दुर्लभता: उल्कापिंड अंतरिक्ष से पृथ्वी पर बहुत कम मात्रा में पहुंचते हैं। इनमें से कुछ विशेष प्रकार, जैसे चंद्रमा या मंगल ग्रह से आए उल्कापिंड, अत्यंत दुर्लभ होते हैं, जिससे उनकी कीमत बढ़ जाती है।

वैज्ञानिक महत्व: उल्कापिंड ग्रहों की उत्पत्ति के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान करते हैं। वैज्ञानिक इनका अध्ययन ग्रहों की भौतिक-रासायनिक संरचना और प्राचीन इतिहास को समझने के लिए करते हैं, जिससे इनकी मांग बढ़ती है।

सौंदर्य और संग्रहणीयता: कुछ उल्कापिंडों में अनोखे पैटर्न (जैसे विडमैनस्टेटन पैटर्न) या रंग होते हैं, इस कारण इनका उपयोग गहनों या सजावटी वस्तुओं के निर्माण में भी किया जाता है।

उत्पत्ति: चंद्रमा, मंगल या विशिष्ट क्षुद्रग्रहों से आए उल्कापिंड अत्यंत मूल्यवान होते हैं, क्योंकि ये पृथ्वी के बाहर की सामग्री होते हैं। उल्कापिंडों को खोजने, पुनर्प्राप्त करने और उनकी प्रामाणिकता सत्यापित करने में समय, संसाधन और विशेषज्ञता की आवश्यकता होती है।

सांस्कृतिक और ऐतिहासिक महत्व: कुछ संस्कृतियों में उल्कापिंडों को पवित्र माना जाता है, जैसे भारत में कुछ प्राचीन मंदिरों में रखे गए उल्कापिंड।

ग्रहों के टुकड़ों के प्रकार: ग्रहों से टूट कर पृथ्वी पर गिरे टुकड़ों के कई प्रकार होते हैं, जैसे-

उल्का पिंड: जब उल्का पृथ्वी के वायुमंडल से गुजर कर सतह पर पहुंचती है, तो उसे उल्कापिंड कहते हैं।

उल्का: अंतरिक्ष से पृथ्वी की ओर आने वाला पदार्थ जो वायुमंडल में जलता है और 'टूटता तारा' जैसा दिखता है।

क्षुद्रग्रह: अंतरिक्ष में चक्कर लगाने वाले बड़े चट्टानी पदार्थ, जिनके टुकड़े उल्कापिंड के रूप में पृथ्वी पर गिर सकते हैं।

चंद्र उल्का पिंड: चंद्रमा से उत्पन्न होने वाले उल्का पिंड।

मंगल उल्का पिंड: मंगल ग्रह से आए उल्कापिंड।

पैलासाइट: लोहे और सिलिकेट खनिजों से बने विशेष उल्का पिंड, जो अकसर सुंदर क्रिस्टल पैटर्न दिखाते हैं।

कोन्ड्राइट: सबसे आम उल्कापिंड, जिनमें सौरमंडल की प्राचीन सामग्री होती है।

इनके अलावा भी विभिन्न ग्रहों से टूटकर गिरे टुकड़ों या उल्कापिंडों के अलग-अलग कई प्रकार एवं अलग-अलग नाम होते हैं।

अब हम आपको अब तक मिले कुछ बेहद महत्वपूर्ण उल्कापिंड और उनकी कीमत के बारे में बताते हैं।

होबा उल्कापिंड: नामीबिया में 1920 ई. में पाया गया लगभग 60 टन वजनी यह उल्कापिंड अब तक का ज्ञात सबसे बड़ा एकल उल्कापिंड है। इसका बाजार मूल्य निर्धारित नहीं है, क्योंकि यह वहां की राष्ट्रीय संपत्ति है, लेकिन इसकी कीमत अरबों रुपए हो सकती है।

फुकांग पैलासाइट: साल 2000 में चीन में पाया गया यह उल्का पिंड पैलासाइट (लोहा और ओलिवाइन क्रिस्टल) कैटेगरी का है। यह अपने सुंदर क्रिस्टल पैटर्न के लिए प्रसिद्ध है। इस उल्कापिंड के इसके छोटे टुकड़ों की कीमत 20 से 50 डॉलर प्रति ग्राम तक हो सकती है।

चेल्याबिंस्क उल्कापिंड: साल 2013 में रूस में गिरा साधारण कोन्ड्राइट प्रकार का यह उल्का पिंड एक खास वजह से प्रसिद्ध है। दरअसल, 2013 में इसके गिरने से एक बड़ा विस्फोट हुआ था, जिसने इसे विश्व प्रसिद्ध बनाया। इसके टुकड़ों की कीमत 1 से 10 डॉलर प्रति ग्राम तक रही है।

नखला उल्कापिंड: मिस्र में साल 1911 में गिरा यह उल्कापिंड मंगल ग्रह से गिरे होने की पुष्टि वाला पहला उल्कापिंड है। इसकी कीमत प्रति ग्राम 100 से 300 डॉलर तक तक हो सकती है।

एलेंडे उल्कापिंड: मैक्सिको में 1969 ई. में गिरे कार्बोनेशियस कोन्ड्राइट प्रकार के इस उल्कापिंड में सौरमंडल की सबसे प्राचीन सामग्री और कार्बनिक यौगिक पाए गए हैं, जो जीवन की उत्पत्ति के अध्ययन के लिए महत्वपूर्ण हैं। इसकी कीमत प्रति ग्राम 1 से 5 डॉलर अनुमानित है। लेकिन इसके दुर्लभ टुकड़ों की कीमत अधिक हो सकती है। *

सिने संवाद

डी.जे. नंदन

बॉलीवुड फिल्मों की बात करें तो शुरुआत से लेकर अब तक की फिल्मी संवाद की भाषा हिंदी में अनेक परिवर्तन देखने को मिलते हैं। हर अदाकार अपने अंदाज में हिंदी तो बोलता ही है, समय और पीढ़ी के अनुसार भी इसमें बदलाव आते रहे हैं। इन बदलावों पर एक नजर।

पहले के दौर से कितनी बदली बॉलीवुड फिल्मों की हिंदी

'राजी' में आलिया भट्ट के संवाद रहे असरदार

क्षेत्रीय प्रभाव से मुक्त हैं 'गुड लक जेरी' के संवाद

अगर आप हिंदी फिल्मों के शौकीन हैं तो बॉलीवुड फिल्मों में बोली जाने वाली आज की हिंदी में पिछली सदी के पचास, साठ, सत्तर और अस्सी के दशकों की बॉलीवुड फिल्मों में बोली जाने वाली हिंदी से कुछ अंतर महसूस करते होंगे। क्या फर्क है तब और अब की फिल्मों की हिंदी में, एक दृष्टि डालते हैं।

बीते दौर की बॉलीवुड फिल्मों में हिंदी: पिछली सदी के सत्तर और अस्सी के दशक के एक्टर्स की बात करें तो अमिताभ बच्चन की हिंदी बहुत समृद्ध थी, साथ ही उसमें हमेशा 'संवाद अदायगी' का एक मंचीय असर दिखता था। उनसे पूर्व दिलीप कुमार के संवाद इतने अधिक अभिनय केंद्रित हुआ करते थे कि दर्शक डायलॉग्स को सुनने की बजाय देखने लगता था। दिलीप

'उधम सिंह' में विक्की कौशल

कुमार के संवादों में हिंदी-उर्दू मिश्रित भाषा देखने को मिलती है।

ऐसे ही अभिनेता राजकुमार की संवाद अदायगी में उर्दू-शैली का असर दिखता था, जो उनकी अभिजातीय छवि का हिस्सा बनता था। उदाहरण के तौर पर फिल्म 'पाकीजा' में उनकी संवाद अदायगी को देखा जा सकता है। अपने जमाने में राजेश खन्ना या शत्रुघ्न सिन्हा जैसे अभिनेता अकसर अपने मूल क्षेत्रीय लहजों को पूरी तरह छोड़े बिना हिंदी बोलते थे। यह उस दौर में 'स्वाभाविक' ही माना जाता था।

अपने दौर की बेहतरीन अभिनेत्री स्मिता पाटिल भाषा को साधने में माहिर थीं। वह बहुत अच्छी हिंदी बोलती थीं। उनके द्वारा बोले गए संवाद बहुत गूंजदार, ठहराव से भरे होते थे। उनके संवादों में लयात्मकता होती थी और इसमें कविताई का आभास होता था। समग्रता में देखा जाए तो पिछली सदी के 70 और 80 के दशक में अभिनेता हिंदी को एक खास छंद, ठहराव और 'दबाव' के साथ बोलते थे। यह एक 'शास्त्रीय लहजा' था, जो दिलीप कुमार, अमिताभ बच्चन, शबाना आजमी, स्मिता पाटिल आदि कलाकारों की संवाद अदायगी में दिखता था।

आज के फिल्मों की हिंदी: हर दौर की अपनी एक अलग भाषा, संवाद का एक अलग सलीका होता है। यह बात हिंदी फिल्मों पर भी लागू होती है। आज की फिल्मों की हिंदी पहले की फिल्मों से बेहतर भले न हो, यह पहले की तुलना में अलग जरूर है और असरदार भी। आज फिल्मों में बोली जाने वाली हिंदी ज्यादा लचीली, संवादधर्मी और ग्लोबल शहरी अनुभव से जुड़ी है। यह किसी खास उच्चारण और लहजे में नहीं बोली जाती बल्कि यह हमारे-आपके जैसे सामान्य लोगों की तरह ही बोली जाती है।

हिंदी बोलने में दिखता है आत्मविश्वास: आज की पीढ़ी के अभिनेता और अभिनेत्रियां हिंदी को पूरे आत्मविश्वास से बोलते हैं। उदाहरण के तौर पर फिल्म 'सरदार उधम सिंह' के संवाद 'जो लहू नहीं खौला, वो लहू नहीं...' को देखा जा सकता है। फिल्म में विक्की कौशल पूरे आत्मविश्वास और गहराई के साथ हिंदी बोलते हैं। न संवादों में कोई बनावट, न हिचक। फिल्म के संवादों के उच्चारण में हिंदी की शुद्धता भले गायब हो, लेकिन हिंदी के लिए गर्व और सहजता यहां साफ देखा जा सकता है।

दिखता है सहज भाषाई प्रवाह: आज की बॉलीवुड फिल्मों में सहज भाषाई प्रवाह दिखता है। इसका एक खूबसूरत उदाहरण आलिया भट्ट की फिल्म 'राजी' है। इस फिल्म में

भाषा को साधने में माहिर थीं स्मिता पाटिल

एक कश्मीरी लड़की की भूमिका निभाते हुए आलिया ने जिस तरह की हिंदी बोली है, उसमें पानी जैसा बहाव है। कोई भी शब्द या संवाद अतिरिक्त जोर देकर नहीं बोला गया था, फिर भी ये असरदार थे।

क्षेत्रीय प्रभाव से मुक्त हिंदी: आज के दौर की फिल्मों में बोली जाने वाली हिंदी की एक और खास बात यह है कि आज के ज्यादातर अभिनेताओं और अभिनेत्रियों का उच्चारण और लहजा क्षेत्रीयता से मुक्त है। उदाहरण के तौर पर जान्हवी कपूर की 'गुड लक जेरी' को देखा जा सकता है। फिल्म में जान्हवी को बिहारी-पंजाबी पृष्ठभूमि का दिखाया गया है, फिर भी उनका उच्चारण क्षेत्रीयता से मुक्त 'न्यूट्रल शहरी हिंदी' जैसा है।

कैजुअल फ्लुएंसी पर जोर: आज के अभिनेताओं को मंचीय प्रशिक्षण, स्क्रिप्ट वर्कशॉप्स और संवाद को स्वाभाविक बनाने की ट्रेनिंग मिलती है। आज के दौर में संवाद अदायगी की नाटकीय शैली के स्थान पर रोजमर्रा की जिंदगी में बोली जाने वाली हिंदी और इसकी कैजुअल फ्लुएंसी पर जोर दिया जाता है। विक्की कौशल, राजकुमार राव, तापसी पन्नू, भूमि पेडनेकर, ये सभी संवादों में हिंदी को आत्मसात करके बोलते हैं। ये हिंदी को 'परफॉर्म' नहीं करते, बल्कि 'जीते' हैं।

कुल मिलाकर, फिल्मों में आज की पीढ़ी की हिंदी ज्यादा कैजुअल, लचीली और वास्तविक जिंदगी से जुड़ी लगती है। पहले के फिल्मों की हिंदी भाषा में 'भाषाई सौंदर्य' था, आज के फिल्मों की हिंदी में 'संवादिक सहजता' है। *